रायपुर, जबलपुर,कटनी, मंडला, भोपाल, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

● वर्ष-1 अंक-169 ● रायपुर ● रविवार ,8 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 4 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक अमावस्या ● विक्रम संवत् 2083



श्रीराम का हुआ राज्याभिषेक

30 लाख दीपों से जगमगाए सरयू के घाट

अयोध्या, यशभारत। रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव का उल्लास चरम पर पहुंच गया। श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ ही राम की पैड़ी समेत सरयू नदी के सभी प्रमुख घाट 30 लाख दीपों की रोशनी से जगमगा उठे। दीपों की अलौकिक छटा और जय श्रीराम के जयघोष से पूरी अयोध्या राममय हो गई। इस ऐतिहासिक उत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामनगरी पहुंचे। श्रद्धालुओं ने उत्साह और भक्ति के साथ दीप प्रज्वलित किए। घाटों पर जलते असंख्य दीपों ने ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया, जिसने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया।



दीपोत्सव के मुख्य आयोजन के दौरान श्रीराम का विधि-विधान से राज्याभिषेक किया गया। इसके बाद दीप प्रज्वलन का सिलसिला शुरू हुआ और देखते ही देखते राम की पैड़ी सहित सरयू के घाट दीपों की रोशनी से नहा उठे। घाटों पर दीपों की कतारें और सरयू के जल में उनका प्रतिबिंब आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। दीपोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई मंत्री और गणमान्य लोग शामिल हुए। आयोजन के दौरान लेजर शो और रंग-बिरंगी रोशनी ने उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया।

इससे पहले साकेत महाविद्यालय से रामकथा पार्क तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में रामायण के प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं। लोकनृत्यों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को और भव्य बना दिया। कलाकारों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया। शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु जय श्रीराम के जयघोष करते हुए आगे बढ़े। झांकियों में प्राचीन भारतीय संस्कृति, परंपराओं के साथ आधुनिक अयोध्या के विकास की झलक भी दिखाई दी। दीपोत्सव के दौरान राम की पैड़ी पर आयोजित लेजर शो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। रंग-बिरंगी रोशनी और तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किए गए दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। लेजर शो के दौरान घाटों पर मौजूद लोगों ने इस भव्य आयोजन का आनंद लिया। दीपों की रोशनी, लेजर शो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने अयोध्या के दीपोत्सव को यादगार बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान रामनगरी में उत्सव, आस्था और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। रामकथा पार्क में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान श्रीराम और माता जानकी की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी। इसके बाद राम, सीता और लक्ष्मण के स्वरूपों के साथ निकले रथ को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रतीकात्मक रूप से खींचा। पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम भारत के संस्कार, राष्ट्र के प्राण और आत्मसम्मान के प्रतीक हैं। आज की अयोध्या त्रेतायुग की याद दिला रही है। उन्होंने कहा कि 14 वर्ष का वनवास पूरा कर जब भगवान श्रीराम माता जानकी और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे होंगे, तब पूरी नगरी इसी तरह दीपों और उत्सव से जगमगाई होगी।

धनतेरस पर छत्तीसगढ़ में 12 हजार करोड़ की धनवर्षा, 1.50 लाख वाहन बिके



रायपुर, यशभारत। छत्तीसगढ़ में धनतेरस पर बाजारों में जमकर धनवर्षा हुई। सोने-चांदी से लेकर ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन, कपड़े और पटाखों तक हर क्षेत्र में खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ी। व्यापारिक संगठनों के अनुमान के मुताबिक, प्रदेशभर में धनतेरस पर 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार हुआ। इस बार सबसे ज्यादा रौनक ऑटोमोबाइल सेक्टर में देखने को मिली, जहां दोपहिया वाहनों से लेकर कार, ट्रैक्टर, कॉमर्शियल वाहन और जेसीबी तक की जमकर बिक्री हुई। प्रदेश में कुल 1.50 लाख से अधिक वाहनों की बिक्री का अनुमान है। इनमें 1.30 लाख से ज्यादा दोपहिया वाहन और 10 हजार से अधिक कारें शामिल हैं। इसके अलावा करीब 10 हजार ट्रैक्टर, कॉमर्शियल वाहन और अन्य श्रेणी के वाहन बिके।

राजधानी रायपुर से लेकर बिलासपुर, दुर्ग, रायगढ़ और जगदलपुर तक बाजारों में सुबह से देर रात तक रौनक बनी रही। अकेले रायपुर में धनतेरस और दिवाली के दौरान 2 से 2.5 हजार करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान लगाया गया है। यहां करीब 12 हजार दोपहिया और 3 हजार कारों की बिक्री हुई। राडा अध्यक्ष कैलाश खेमानी के मुताबिक, कई वर्षों बाद प्रदेश में दिवाली के दौरान वाहनों की बिक्री का आंकड़ा 1.50 लाख के पार पहुंचा है। वहीं, बिलासपुर में करीब 1000 करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है। यहां एक ही दिन में 500 से अधिक कारों की डिलीवरी हुई, जबकि करीब 200 कारों की बुकिंग की गई। सराफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद ग्राहकों का उत्साह कम नहीं हुआ। लोगों ने शुभ खरीदारी के रूप में सोने-चांदी के सिक्के, मूर्तियां और आभूषण खरीदे। बर्तन बाजार में पीतल, तांबे और कांसे के बर्तनों की मांग रही, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों में टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन और सजावटी लाइटों की बिक्री हुई।

बिलासपुर के गोलबाजार और शनिचरी बाजार में सुबह से देर रात तक खरीदारों की भीड़ रही। यहां सराफा दुकानों में रात करीब 12 बजे तक खरीदारी चलती रही। शहर के तेलीपारा और जूना बिलासपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार भी ग्राहकों से भरे रहे। पटाखा बाजार में भी इस बार जबर्दस्त कारोबार हुआ। बिलासपुर में कारोबारियों ने एक ही दिन में 50 करोड़ रुपए से अधिक के पटाखों की बिक्री का दावा किया है। शहर में मुंगेली नाका स्थित ग्रीन पार्क मैदान, रिवर व्यू रोड और बुधवारी बाजार में पटाखों की दुकानें सजाई गई थीं, जहां सुबह से देर रात तक खरीदार पहुंचते रहे। दुर्ग जिले में धनतेरस के मुख्य दिन करीब 300 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। चेंबर महामंत्री अजय भसीन के मुताबिक, शुक्रवार से रविवार तक लगातार तीन दिन खरीदारी का संयोग होने के कारण बाजार में रौनक बनी हुई है।

तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं, 2013 के रेप केस में 10 साल सजा पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने शुक्रवार को 2013 के रेप केस में मिली 10 साल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा कि यह सजा पर रोक लगाने के लिए सही मामला नहीं है। तेजपाल की ओर से कपिल सिब्बल ने दलील दी कि पूरा मामला झूठा है, जबकि गोवा सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सजा बढ़ाकर उम्रकैद करने की मांग की। 6 अगस्त 2026 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत का 2021 का बरी करने का फैसला पलटते हुए तेजपाल को रेप का दोषी ठहराया था और 10 साल की कठोर कैद सुनाई थी।आरोप था कि उन्होंने 2013 में गोवा में मैगजीन के एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में अपनी जूनियर सहकर्मी के साथ रेप किया था।

राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी नहीं चाहते थे कि वह प्रधानमंत्री बने

किताब में सोनिया गांधी का खुलासा, बोलीं- मनमोहन सिंह के साथ टीम बनाकर काम करने का अनुभव सकारात्मक रहा



नई दिल्ली, यशभारत। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के अपने चर्चित फैसले को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उस समय उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी नहीं चाहते थे कि वह प्रधानमंत्री बनें। अपनी आगामी पुस्तक %बिलॉन्गिंग ⁼ए जर्नी ऑफ लव% में सोनिया गांधी ने इस फैसले के पीछे की परिस्थितियों, परिवार की भूमिका और तत्कालीन राजनीतिक घटनाक्रम पर विस्तार से बात की है। 10 नवंबर को प्रकाशित होने वाली इस पुस्तक को लेकर सोनिया गांधी ने द हिंदू को दिए एक साक्षात्कार में अपने जीवन के कई अनछुए पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने का सवाल उनके मन में कभी नहीं आया। 2004 में डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में बनी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के साथ उनका अनुभव सकारात्मक रहा। दोनों ने एक टीम के रूप में काम किया। मनमोहन सिंह सरकार का नेतृत्व कर रहे थे, जबकि वह कांग्रेस संगठन की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। दोनों की भूमिकाएं स्पष्ट रूप से अलग थीं। सोनिया ने कहा कि उन्होंने कभी यह कल्पना भी नहीं की कि यदि वह प्रधानमंत्री बनतीं तो सरकार की नीतियां और कांग्रेस की रणनीति किस तरह अलग होती। उनके मुताबिक, मनमोहन सिंह के साथ काम करने की व्यवस्था सफल रही और दोनों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। सोनिया गांधी ने अपनी किताब को व्यक्तिगत संस्मरण बताते हुए कहा कि इसमें राजीव गांधी के साथ उनकी प्रेम कहानी के साथ भारत और गांधी परिवार से जुड़ने का सफर भी शामिल है। उन्होंने बताया कि राजीव से उनकी पहली मुलाकात के बाद धीरे-धीरे उन्हें उनके परिवार और भारत से लगाव हो गया। यही जुड़ाव आगे चलकर उन्हें सार्वजनिक जीवन और राजनीति में लेकर आया।

जवानों के साथ दिवाली मनाएंगे पीएम मोदी

देशवासियों को दी शुभकामनाएं



नई दिल्ली, यशभारत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बार भी वे देश के वीर जवानों के बीच दिवाली मनाएंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री ने इस बार जवानों के साथ त्योहार मनाने के लिए किस स्थान पर जाने की योजना बनाई है, इसका खुलासा नहीं किया। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश जारी कर देशवासियों को बधाई दी।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली का पावन पर्व पूरे देश को रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का यह त्योहार अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कामना की कि सभी देशवासियों का त्योहार और आने वाला समय सुख, शांति एवं समृद्धि से भरा रहे। मोदी ने कहा कि वे भी हर साल बड़े उत्साह के साथ दीपावली मनाते हैं और देश के वीर जवानों के बीच पहुंचकर त्योहार मनाना उनका नियमित क्रम बन गया है।

इजराइल में आज तय होगा नया प्रधानमंत्री आइजनकोट को 67 सांसदों का समर्थन



तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में नए प्रधानमंत्री के नाम का ऐलान रविवार को राष्ट्रपति इसाक हर्जोग करेंगे। सरकार बनाने के लिए संसद में 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजनकोट के गठबंधन को छह राजनीतिक दलों के 67 सांसदों का समर्थन मिला है। वहीं मौजूदा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पक्ष में केवल 46 सांसद बताए जा रहे हैं। ऐसे में आइजनकोट की सरकार बनाने की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। हालांकि, समर्थन देने वाले दलों के बीच आपसी मतभेद उनकी राह में बड़ी बाधा बन सकते हैं।राष्ट्रपति हर्जोग ने गुरुवार को संसद में चुनी गई सभी पार्टियों के नेताओं से मुलाकात कर सरकार गठन की संभावनाओं पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि सांसदों की राय पहली नजर में स्पष्ट दिखाई देती है, लेकिन अलग-अलग राजनीतिक दलों के बीच कई मुद्दों पर सहमति नहीं है। पार्टियों को एक-दूसरे से भी आपत्तियां हैं। ऐसे में केवल सांसदों की सिफारिशों के आधार पर यह तय करना मुश्किल है कि कौन सरकार बनाने में सक्षम होगा।

चीन सीमा के पास 13,629 फीट पर उतरा वायुसेना का गजराज

न्योमा एयरबेस पर भारी मालवाहक विमान की सफल लैंडिंग, दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड



नई दिल्ली। यशभारत। भारतीय वायुसेना ने शनिवार को लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर अपने विशाल मालवाहक विमान IL-76MD (गजराज) की सफल लैंडिंग कराकर सामरिक क्षमता का नया प्रदर्शन किया। समुद्र तल से 13,629 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस एयरबेस पर भारी मालवाहक विमान का उतरना बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। न्योमा एयरबेस पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के बेहद करीब स्थित है और चीन सीमा से इसकी दूरी महज 23 किलोमीटर है। इस लैंडिंग के साथ भारतीय वायुसेना ने ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों में भारी सैन्य परिवहन की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। वायुसेना के मुताबिक, न्योमा दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड है। यहां से अब चीन सीमा के नजदीक तैनात सैनिकों तक भारी सैन्य उपकरण, वाहन, हथियार और जरूरी रसद पहुंचाने में मदद मिलेगी। रूस निर्मित चार इंजन वाला IL-76MD विमान करीब 40 से 50 टन तक का माल ले जाने में सक्षम है। इसे वायुसेना में गजराज के नाम से जाना जाता है। इसकी क्षमता के कारण जरूरत पड़ने पर बड़ी संख्या में सैनिकों के साथ टैंक, सैन्य वाहन, हथियार और अन्य जरूरी साजो-सामान भी पहुंचाया जा सकता है।न्योमा एयरबेस को नवंबर 2025 में अपग्रेड कर आधुनिक एयरफील्ड के रूप में विकसित किया गया था। तत्कालीन एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने C-130J विमान से यहां उतरकर एयरबेस का उद्घाटन किया था।

सीबीएसई ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 16 फरवरी से परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा दसवीं की वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षाओं की समय-सारिणी जारी कर दी है। इसके अनुसार, दसवीं की परीक्षाएं 16 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च 2027 तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी जारी कार्यक्रम के आधार पर अपनी तैयारी की योजना बना सकते हैं। बोर्ड की ओर से परीक्षा की तारीखें घोषित होने के बाद विद्यार्थियों को विषयवार तैयारी और दोहराव के लिए समय निर्धारित करने में मदद मिलेगी। छात्र परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार पढ़ाई की रणनीति बना सकते हैं और जिन विषयों में अधिक तैयारी की जरूरत है, उन पर विशेष ध्यान दे सकते हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में विषयवार परीक्षा तिथियों और समय का विवरण नहीं दिया गया है।

दुबई में मेडिकल खर्च और लंबी वेटिंग के बीच देवदूत बने भारतीय

दुबई/दिल्ली, यशभारत। दुबई घूमने गए मध्य प्रदेश के ज्ञानेंद्र तिवारी को अचानक आई गंभीर चिकित्सीय आपातस्थिति के बाद भारतीय दूतावास और दुबई में सक्रिय प्रवासी भारतीय समुदाय के सहयोग से सुरक्षित भारत (दिल्ली) वापस लाया गया है।

भारतीय युवक गंभीर अस्वस्थता के चलते फंसा
दूतावास और प्रवासी भारतीयों की मदद से दिल्ली लाया गया

ज्ञानेंद्र 13 अक्टूबर को टूरिस्ट वीजा पर दुबई गए थे। 15 अक्टूबर को डेजर्ट सफारी से लौटने के बाद अचानक सीने में दर्द की शिकायत पर उन्हें अल ज़हरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहाँ जांच में 90% ब्लॉकेज पाए जाने पर उनकी तत्काल एंजियोप्लास्टी की गई। कार्डियक अरेस्ट के कारण मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी से उनकी स्थिति अत्यधिक नाजुक हो गई और उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा।

मददगारों की पहल से आसान हुई स्वदेश वापसी

परिजन मरीज को जल्द से जल्द भारत लाकर इलाज कराना चाहते थे, लेकिन एयरलाइंस से उन्हें 14 नवंबर की स्ट्रेचर टिकट मिल रही थी। अस्पताल का भारी दैनिक खर्च देखते हुए 14 तारीख तक दुबई में रुककर इलाज जारी रखना परिजनों की आर्थिक क्षमता से बाहर हो चुका था। इस संकट की घड़ी में सबसे पहले इंदौर ग्रुप IIBM के मेंबर्स अंजू भाटिया ने पहल करते हुए इस मामले में मदद की शुरुआत की। इसके साथ ही कांसुलेट जनरल ऑफ़ इंडिया (दुबई) का मदद सेक्शन, दुबई निवासी चंद्रशेखर भाटिया, सामाजिक सेवा में सक्रिय उमा शंकरी कृष्णमूर्ति और 'ह्यूमन केयर वर्ल्डवाइड' की टीम भी आगे आई। इन सभी के विशेष प्रयासों और साझा समन्वय से 04 नवंबर की एमीरेट्स एयरलाइंस की टिकट व स्ट्रेचर की व्यवस्था हुई, जिससे ज्ञानेंद्र को 04 नवंबर की रात दुबई से रवाना कर 05 नवंबर की तड़के सुरक्षित दिल्ली लाया गया। अनूपपुर निवासी देवेंद्र कुमार तिवारी के परिजनों ने इस सहयोग के लिए भारतीय दूतावास और पूरे प्रवासी समुदाय का आभार व्यक्त किया है।

टूरिस्ट इंश्योरेंस की उपयोगिता व भारतीय दूतावास की एडवाइजरी

विदेश जाने वाले प्रत्येक यात्री के लिए 'टूरिस्ट इंश्योरेंस' एक ढाल की तरह काम करता है। अल ज़हरा अस्पताल में प्रतिदिन का खर्च लगभग 12,000 दिरहम (करीब 2.7 लाख रुपये) था। ज्ञानेंद्र तिवारी के पास 1 लाख डॉलर (लगभग 83 लाख रुपये) का मेडिकल बीमा कवरेज एक्टिव था, जिससे अस्पताल में शुरुआती और आवश्यक इलाज का भारी-भरकम भुगतान संभव हो सका। हाल ही में भारतीय दूतावास (अबू धाबी) और कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया (दुबई) ने भी श्व जाने वाले और वहाँ रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में सलाह दी गई है कि यात्रा शुरू करने से पहले पर्याप्त और उचित मेडिकल इंश्योरेंस जरूर कराएं, जिसमें कैशलेस सुविधाओं के साथ-साथ किसी भी अनहोनी या चिकित्सीय आपात स्थिति में भारत वापस लाने का खर्च भी कवर शामिल हो। यह घटना सबक देती है कि विदेश यात्रा के दौरान पर्याप्त मेडिकल बीमा जरूर कराएं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की चार रन से जीत में बने कई नए कीर्तिमान



वेलिंगटन, एजेंसी। भारत ने न्यूजीलैंड को दूसरे वनडे मुकाबले में डकवर्थ लुइस नियम के तहत 4 रन से हराकर सीरीज में अहम जीत दर्ज की। वेलिंगटन में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने व्यक्तिगत उपलब्धियों से इतिहास रच दिया। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वहीं रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़कर न्यूजीलैंड के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया।

मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 रन देकर चार विकेट हासिल किए। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 41 ओवर में महज 134 रन पर सिमट गई। यह घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड का अब तक का सबसे कम वनडे स्कोर है। इससे पहले 1994 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड की टीम 142 रन पर ऑलआउट हुई थी। विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम अब 1,978 रन दर्ज हो चुके हैं, जबकि रिकी पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 1,971 रन बनाए थे। इस सूची में सचिन तेंदुलकर 1,750 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। कोहली ने इस उपलब्धि के साथ एक और बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि अपने नाम कर ली। रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में छक्कों का नया रिकॉर्ड बनाया। मुकाबले में दो छक्के लगाने के साथ उनके कुल छक्कों की संख्या 51 हो गई। इससे पहले पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 50 छक्के लगाए थे। रोहित अब इस सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी को झकझोरते हुए चार विकेट चटकाए। उन्होंने सात ओवर में 30 रन देकर चार विकेट लिए। न्यूजीलैंड की धरती पर किसी भारतीय तेज गेंदबाज का यह दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस मामले में जवागल श्रीनाथ पहले स्थान पर हैं, जिन्होंने 2003 में ऑकलैंड में 23 रन देकर चार विकेट हासिल किए थे। बारिश के कारण मुकाबला निर्धारित समय से एक घंटे की देरी से शुरू हुआ और दोनों पारियों को 47-47 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड की पारी 41 ओवर में 134 रन पर समाप्त हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 26 ओवर में सात विकेट पर 113 रन बना लिए थे, तभी बारिश ने खेल रोक दिया। डकवर्थ लुइस नियम से भारत को चार रन से विजेता घोषित किया गया।

दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं

भगवान श्री राम के अयोध्या वापसी एवं महालक्ष्मी के पूजन के महापर्व दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की समस्त पाठकों, विज्ञापन दाताओं एवं शुभ चिंतकों को यशभारत परिवार की ओर से अनंत शुभकामनाएं। यह पर्व आपके लिए उजाला और उन्नति का प्रकाश लेकर आये ।

-संपादक

अवकाश की सूचना

दीपावली के अवसर पर यशभारत कार्या लय में 9 एवं 10 नवम्बर को अवकाश रहेगा। अगला अंक 11 नवंबर प्रकाशित होगा।

- प्रबंधक

स्वच्छता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि, रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में प्रदेश के तीन शहरों का राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन, 11 नवंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु करेंगी सम्मानित

सफाई मित्रों की मेहनत, नगरीय निकायों के सतत प्रयास और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी बधाई, कहा - यह उपलब्धि स्वच्छ, सुंदर और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

स्वच्छता को जनआंदोलन बनाकर प्रदेश के प्रत्येक शहर को स्वच्छ और सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा - तीन शहरों को मिलने वाला राष्ट्रीय सम्मान अन्य नगरीय निकायों के लिए बनेगा प्रेरणा

यश भारत

रायपुर। स्वच्छता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत प्रदेश के तीन शहरों रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा का राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन किया गया है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आगामी 11 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में इन तीनों शहरों को पुरस्कृत करेंगी। यह उपलब्धि प्रदेश में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों, सफाई मित्रों के समर्पण और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, नगरीय



निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा सफाई मित्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन राष्ट्रपति के हाथों छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का सम्मानित होना पूरे प्रदेश के लिए गौरव और प्रसन्नता का विषय है। यह सम्मान उन हजारों सफाई मित्रों के परिश्रम का सम्मान है, जो प्रतिदिन हमारे शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए अथक मेहनत करते हैं। साथ ही यह उन जागरूक नागरिकों की सहभागिता का भी सम्मान है, जिन्होंने स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझकर इस अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान ने देश में स्वच्छता के प्रति एक नई चेतना जागृत की है। आज स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से संचालित एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। छत्तीसगढ़ भी इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के सभी शहरों में स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था हो, नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिले तथा स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना और मजबूत हो। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य सरकार को पत्र भेजकर रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन की औपचारिक जानकारी दी है। मंत्रालय के सचिव सतेंद्र सिंह ने राज्य में संचालित स्वच्छता गतिविधियों और नागरिक सहभागिता की सराहना करते हुए इन शहरों के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया है।

मंत्रालय द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि स्वच्छ भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में नागरिकों की सहभागिता और नगरीय निकायों के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका है। छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन यह दर्शाता है कि स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर प्रयास और सामूहिक भागीदारी से उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण के दसवें संस्करण में इन तीन शहरों को मिलने वाली राष्ट्रीय पहचान प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों को भी स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करेगी। यह उपलब्धि छोटे और बड़े सभी शहरों के लिए प्रेरणादायक है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, बेहतर प्रबंधन और जनसहयोग से स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान बनाई जा सकती है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की थीम %स्वच्छता की नई पहल - बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ% रखी गई है। यह थीम स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी, जनजागरूकता और नागरिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित करती है। रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा का राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन इस बात का प्रमाण है कि स्वच्छता के प्रयासों को प्रभावी बनाने में प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ-साथ आम नागरिकों का सहयोग भी अत्यंत आवश्यक है। नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वच्छता कार्यों में लगे मैदानी अमले और सफाई मित्रों के निरंतर प्रयासों ने इन शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शहरों में साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था, स्वच्छता के प्रति जागरूकता और नागरिकों की भागीदारी जैसे प्रयास स्वच्छ एवं स्वस्थ शहरी जीवन की मजबूत आधारशिला हैं। राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह सफलता इन प्रयासों को और व्यापक बनाने का अवसर प्रदान करेगी। नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मान समारोह की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी होगी कि स्वच्छता व्यवस्था को धरातल पर सफल बनाने वाले सफाई मित्रों और मैदानी कर्मचारियों की भागीदारी को विशेष महत्व दिया जाएगा। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य तथा चयनित शहरों के प्रतिनिधिमंडलों में सफाई मित्रों, स्वच्छता निरीक्षकों, पर्यवेक्षकों, अभियंताओं और स्वच्छता मिशन के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रतिनिधियों को शामिल करने के लिए आमंत्रित किया है। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक शहर से चार प्रतिनिधियों को मंच पर सम्मान ग्रहण करने का अवसर मिलेगा।

यह पहल स्वच्छता के क्षेत्र में प्रतिदिन कार्य करने वाले उन कर्मयोगियों के योगदान को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाएगी, जिनकी मेहनत से शहरों की स्वच्छता व्यवस्था संचालित होती है। सम्मान समारोह में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल तथा केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहेंगे।

स्वच्छ और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को मिलेगी नई दिशा

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा को राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चुना जाना छत्तीसगढ़ की शहरी स्वच्छता व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह सम्मान जहां स्वच्छता के क्षेत्र में अब तक किए गए प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान प्रदान करेगा, वहीं आने वाले समय में स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में नई जिम्मेदारी का भी अहसास कराएगा।

स्वच्छता केवल पुरस्कार का विषय नहीं, नागरिकों के बेहतर जीवन से जुड़ा संकल्प : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार के लिए स्वच्छता केवल किसी प्रतियोगिता या सर्वेक्षण में बेहतर स्थान प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। यह नागरिकों के स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन की गुणवत्ता से सीधे जुड़ा विषय है। स्वच्छ शहरों में नागरिकों को बेहतर वातावरण मिलता है और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में मजबूत आधार तैयार होता है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता की जिम्मेदारी केवल नगरीय निकायों या सफाई कर्मचारियों की नहीं, बल्कि हम सभी की है। जब नागरिक अपने घर, मोहल्ले, बाजार और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता के प्रति जागरूक होते हैं, तभी स्वच्छता के प्रयास स्थायी और प्रभावी बनते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा की उपलब्धि से पूरे छत्तीसगढ़ को नई प्रेरणा मिली है। अब हमारा प्रयास होना चाहिए कि प्रदेश का प्रत्येक शहर स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। बड़े नगरों के साथ छोटे नगरीय निकायों में भी स्वच्छता व्यवस्था को निरंतर बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार करते हुए छत्तीसगढ़ को स्वच्छ, सुंदर, स्वस्थ और विकसित राज्य बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस राष्ट्रीय उपलब्धि को हम अपने प्रयासों को और गति देने के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

तीन शहरों की सफलता से पूरे प्रदेश में स्वच्छता के प्रयासों को मिलेगी नई ऊर्जा : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए तीनों नगरीय निकायों की टीमों, जनप्रतिनिधियों, सफाई मित्रों और नागरिकों को बधाई दी है। साव ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन प्रदेश के नगरीय प्रशासन के लिए उत्साहवर्धक उपलब्धि है। यह सफलता बताती है कि स्थानीय निकायों की सक्रियता, सफाई मित्रों की मेहनत और नागरिकों के सहयोग से स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि स्वच्छता किसी विशेष अभियान या सर्वेक्षण की अवधि तक सीमित न रहे, बल्कि शहरों की नियमित कार्यसंस्कृति और नागरिकों की दैनिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बने। इसके लिए नगरीय निकायों को निरंतर बेहतर कार्य करने और जनभागीदारी को मजबूत बनाने की दिशा में प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री साव ने विश्वास व्यक्त किया कि रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा को मिलने वाला राष्ट्रीय सम्मान प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों को भी स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहल करने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।

दीपावली पर शहीद पुलिस कर्मियों के 37 परिवारों तक पहुंची दुर्ग पुलिस, डीआईजी ने घर जाकर दी शुभकामनाएं

एसएसपी विजय अग्रवाल ने शहीद परिवारों से मुलाकात कर जाना कुशलक्षेम, कहा- शहीदों का सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा, हर परिस्थिति में साथ खड़ा रहेगा पुलिस विभाग

दुर्ग। दीपावली के अवसर पर दुर्ग पुलिस ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों के बीच पहुंचकर उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। छत्तीसगढ़ पुलिस एवं छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले 37 अधिकारी-कर्मचारियों के परिवारों से संपर्क कर उन्हें दीपावली की शुभकामना भेंट प्रदान की गई। इस दौरान परिजनों का हालचाल जानकर उन्हें यह भरोसा दिलाया गया कि पुलिस विभाग हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है।

इस पहल के तहत उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल स्वयं शहीद पुलिसकर्मियों के निवास पहुंचे और उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने शहीद आरक्षक आदेश के एसटीएफ कॉलोनी, सिंधिया नगर स्थित निवास, शहीद आरक्षक अवनी सिंह के नई पुलिस लाइन स्थित निवास तथा शहीद आरक्षक मनोज वर्मा के पांच बिल्डिंग स्थित निवास पहुंचकर परिजनों से भेंट की और दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान विजय अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्र और समाज की सुरक्षा के लिए शहीद पुलिसकर्मियों ने जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके परिवारों का सम्मान और देखभाल पुलिस विभाग की जिम्मेदारी है। छत्तीसगढ़ शासन एवं पुलिस विभाग शहीद परिवारों के साथ हर परिस्थिति में खड़ा है और उनके सुख-दुख में सहभागी रहेगा।

जिले के शेष शहीद परिवारों तक भी पुलिस विभाग के अधिकारियों ने पहुंचकर शुभकामना भेंट प्रदान की। इसके लिए नगर पुलिस अधीक्षकों, अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों तथा थाना एवं चौकी प्रभारियों को जिम्मेदारी दी गई थी। अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद परिवारों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना।

दुर्ग पुलिस की इस पहल का उद्देश्य शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों को यह अहसास कराना था कि उनके परिजनों का बलिदान विभाग भूला नहीं है। शहीद परिवार पुलिस विभाग का अभिन्न अंग हैं और उनके सम्मान, सहयोग एवं कल्याण के लिए विभाग निरंतर प्रतिबद्ध रहेगा।



कांग्रेस पर मंत्री रामविचार नेताम का तीखा हमला, बोले- मर्यादाएं तार-तार कर चुकी है

यश भारत

रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को लेकर कांग्रेस के बयान पर मंत्री रामविचार नेताम ने पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। कांग्रेस को आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी हैं और भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरी पार्टी को ऐसी बयानबाजी से बचना चाहिए। समय आने पर जनता इसका जवाब देगी।

शनिवार को मीडिया से चर्चा के दौरान मंत्री नेताम ने जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के प्रस्तावित दौरे को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। इसके तहत



11 से 18 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रायगढ़ पहुंचेंगे। उनके साथ प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी और सह प्रभारी सिद्धार्थ शंभू भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान जनजातीय समाज की संस्कृति, पारंपरिक व्यंजनों, कलाकृतियों और छात्र-छात्राओं से जुड़े आयोजन होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों की व्यापक स्तर पर समीक्षा भी की जाएगी।

पटवारियों के आंदोलन और धान खरीदी को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर मंत्री नेताम ने कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। सरकार लगातार आंदोलनरत पटवारियों के संपर्क में है और उनसे किसानों के हित में आंदोलन समाप्त करने की अपील कर रही है। उनकी मांगों पर भी विचार किया जाएगा।

धान खरीदी को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए 360 नए धान उपार्जन केंद्र बढ़ाए हैं, ताकि खरीदी के दौरान किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को सरकार के हर अच्छे काम में भी खामी नजर आती है।

वहीं, दिल्ली नहीं जाने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी किए जाने के सवाल पर उन्होंने इसे कांग्रेस का आंतरिक मामला बताया। नेताम ने तंज कसते हुए कहा कि कार्रवाई करते-करते एक दिन कांग्रेस खाली हो जाएगी। पार्टी में अनुशासन की कमी है और इसी तरह की स्थिति लगातार बनी हुई है।



जशपुर में 13 एवं 14 नवंबर को जिला स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक प्रतियोगिता का होगा आयोजन

प्रतियोगिता में 12 खेलों में प्रतिभागी दिखाएंगे अपनी खेल प्रतिभा, तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में जिले में आगामी 13 एवं 14 नवंबर को जिला स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर शुक्रवार को डिप्टी कलेक्टर ऋतुराज सिंह बेसेन ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की। जिला स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक प्रतियोगिता का शुभारंभ 13 नवंबर को रणजीता स्टेडियम में होगा। प्रतियोगिता का समापन 14 नवंबर को किया जाएगा। प्रतियोगिता में कुल 12 प्रकार के खेल शामिल किए गए हैं, जिनमें खो-खो, हॉकी, कबड्डी सहित अन्य खेलों में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस 13 नवंबर को 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के जूनियर खिलाड़ी शामिल होंगे। वहीं, 14 नवंबर को 18 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

दीपावली पर्व के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग की पत्थलगांव में कार्रवाई

6 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, जांच के लिए मिठाई एवं अन्य खाद्य पदार्थों के 5 नमूने संकलित



जशपुरनगर। दीपावली पर्व के मद्देनजर आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा पत्थलगांव में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। 6 नवंबर को की गई इस कार्रवाई के दौरान कुल 6 खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई तथा विभिन्न खाद्य पदार्थों के 5 नमूने संकलित कर जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा पत्थलगांव बस स्टैंड स्थित सेंट्रल रेस्टोरेंट, न्यू बालाजी रेस्टोरेंट, बालाजी फन टू रेस्टोरेंट, रायगढ़ चौक स्थित गोकुल रेस्टोरेंट, रायगढ़ रोड स्थित मां शारदा डेयरी तथा बस स्टैंड स्थित केक बेकरी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नारियल बर्फी, कलाकंद, बूंदी लड्डू, पनीर एवं भैंस के दूध से बने खोवा के नमूने संकलित किए गए। इन नमूनों को गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा की जांच के लिए भेजा जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जिन खाद्य प्रतिष्ठानों में कमियां एवं अनियमितताएं पाई गईं, उन्हें सुधार नोटिस जारी किए जा रहे हैं। संकलित खाद्य नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित खाद्य प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

दुर्ग शहर और नंदिनी रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही रात 11 बजे तक प्रतिबंधित, 16 नवंबर तक लागू रहेगा आदेश

यातायात व्यवस्था सुधारने जिला दण्डाधिकारी ने जारी किया संशोधित आदेश, दुर्ग के नौ मार्गों सहित पावर हाउस चौक से छावनी चौक तक भारी और मध्यम मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर रोक

दुर्ग। शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने तथा भारी वाहनों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं एवं जनहानि पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर दुर्ग ने भारी और मध्यम मालवाहक वाहनों के प्रवेश को लेकर पूर्व में जारी आदेश में संशोधन किया है। संशोधित आदेश के अनुसार दुर्ग शहर में प्रवेश करने वाले निर्धारित नौ मार्गों पर अब सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक भारी एवं मध्यम मालवाहक वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह व्यवस्था 16 नवंबर 2026 तक लागू रहेगी।

पूर्व में इन नौ मार्गों पर दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक भारी एवं मध्यम मालवाहक वाहनों को आवागमन की छूट दी गई थी। संशोधित आदेश के तहत इस छूट को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। अब प्रतिबंधित समयावधि में इन मार्गों से मालवाहक वाहनों को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

इन नौ मार्गों पर रहेगी रोक

दुर्ग शहर में जिन नौ मार्गों पर भारी एवं मध्यम



मालवाहक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया गया है, उनमें पुलगांव चौक से पोटिया रोड, पुलगांव चौक से गंजपारा चौक, गुरुद्वारा चौक से बटालियन रोड, धमधा नाका रेलवे ओवरब्रिज से ग्रीन चौक, पुष्पक नगर से कातुलबोर्ड रोड, ग्राम बघेरा से गंजपारा दुर्ग, 32 बंगला (बायपास ब्रिज) से दुर्ग, ठगड़ा बांध से दुर्ग शहर तथा धनौरा बायपास से महाराजा चौक की ओर जाने वाला मार्ग शामिल है।

इसी तरह भिलाई के नंदिनी रोड पर पावर हाउस चौक से छावनी चौक तक भारी एवं मध्यम मालवाहक वाहनों के आवागमन पर भी प्रतिबंध की अवधि बढ़ाई गई है। पहले इस मार्ग पर सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक प्रतिबंध लागू था। अब संशोधित आदेश के तहत इसे बढ़ाकर रात 11 बजे तक कर दिया गया है। यह व्यवस्था भी 16 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी।

आवश्यक सेवाओं के वाहनों को छूट

प्रशासन ने आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को प्रतिबंध से मुक्त रखा है। इनमें एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन, एलपीजी गैस सिलेंडर परिवहन करने वाले वाहन, शासकीय उचित मूल्य दुकानों के खाद्यान्न वितरण वाहन, धान एवं चावल की कस्टम मिलिंग से जुड़े वाहन तथा दूध, सब्जी, फल और अन्य दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं का परिवहन करने वाले वाहन शामिल हैं।

उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर जिला दण्डाधिकारी ने यह संशोधन किया है। यातायात पुलिस ने भारी एवं मध्यम मालवाहक वाहन चालकों, परिवहनकर्ताओं और वाहन मालिकों से निर्धारित प्रतिबंधित समय में इन मार्गों पर वाहनों का संचालन नहीं करने की अपील की है। आदेश का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्यपाल रमेन डेका को दी दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज लोकभवन में राज्यपाल रमेन डेका से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

सीएम विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को दी दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रकाश और उल्लास के महापर्व दीपावली पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने माँ लक्ष्मी और भगवान श्री गणेश से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दीपावली केवल दीपों का पर्व नहीं, बल्कि आशा, विश्वास, प्रेम और सद्भाव का उत्सव है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने तथा आपसी भाईचारे और एकता के साथ जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर पावर कंपनियों में 1,501 पदों पर होगी भर्ती

38 प्रकार के पदों के लिए जारी हुआ विस्तृत भर्ती विज्ञापन

द्वितीय श्रेणी के 195 तथा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 1,306 पद

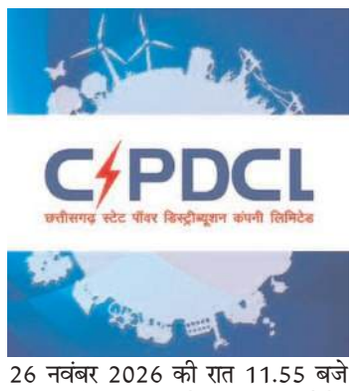
ऑनलाइन आवेदन 6 नवंबर से, अंतिम तिथि 26 नवंबर 2026

यश भारत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ की तीनों कंपनियों में बड़े पैमाने पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 38 प्रकार के पदों पर कुल 1,501 रिक्तियों के लिए विस्तृत भर्ती विज्ञापन 5 नवंबर 2026 को जारी कर पावर कंपनी की वेबसाइट "https://cspc.co.in" (https://cspc.co.in) पर अपलोड किया गया है। इनमें द्वितीय श्रेणी के 195 तथा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 1,306 पद शामिल हैं। सबसे अधिक पद कनिष्ठ अभियंता एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर के हैं। कनिष्ठ अभियंता इलेक्ट्रिकल के 167 पद हैं, जिनमें जनरेशन कंपनी के 11, ट्रांसमिशन कंपनी के 32 और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के 124 पद शामिल हैं। इसी तरह डाटा एंट्री ऑपरेटर के 609 पद तीनों कंपनियों के क्रमशः 95, 64 और 450 पद हैं।

यह भर्ती छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के लिए की जाएगी। इसके लिए पूर्व में 7 अगस्त 2026 को जारी लघु विज्ञापन तथा 14 सितंबर 2026 को जारी संशोधन के तारतम्य में विस्तृत विज्ञापन जारी किया गया है।

जारी विज्ञापन के अनुसार ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 6 नवंबर 2026 को शाम 8 बजे से प्रारंभ होगी। इच्छुक अभ्यर्थी



26 नवंबर 2026 की रात 11.55 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन शुल्क भी इसी तिथि और समय तक नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड अथवा यूपीआई के माध्यम से जमा किया जा सकेगा।

विज्ञापन के अनुसार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थी ही आवेदन करने के पात्र होंगे। प्रत्येक पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा एवं अन्य पात्रता संबंधी विस्तृत जानकारी भर्ती विज्ञापन में दी गई है। तीनों कंपनियों के साझा पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आवेदन में कंपनियों की प्राथमिकता का क्रम देना होगा। अंतिम चयन की मेरिट, अभ्यर्थी की प्राथमिकता तथा कंपनीवार रिक्तियों की उपलब्धता के आधार पर कंपनी आवंटित की जाएगी।

अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन की अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय रहते ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर लें तथा आवेदन करने से पहले पावर कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत भर्ती विज्ञापन एवं निर्देशों का अवलोकन अवश्य करें।

भर्ती में तकनीकी पदों के अंतर्गत सहायक अभियंता के मैकेनिकल (26), इलेक्ट्रिकल (92), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन (10), कंप्यूटर साइंस (2), सूचना प्रौद्योगिकी (2) तथा सिविल (20) के पद शामिल हैं। इसके अलावा फायर ऑफिसर (1), सुरक्षा अधिकारी (3), शिफ्ट केमिस्ट (6), प्रोग्रामर (3), कनिष्ठ अभियंता मैकेनिकल (12), इलेक्ट्रिकल (167), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन (9), कंप्यूटर साइंस (1), सूचना प्रौद्योगिकी (1) तथा सिविल (26) के पद हैं।

अन्य पदों में सब फायर ऑफिसर (6), सुरक्षा निरीक्षक (10), सुरक्षा उप निरीक्षक (19), अटेंडेंट (प्लांट) ग्रेड-ढ्ढढ्ढ के अंतर्गत फिटर (84), टर्नर (36), इलेक्ट्रीशियन (90), इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक (45) एवं इलेक्ट्रॉनिक्स (45), फायर अटेंडेंट ग्रेड-ढ्ढढ्ढ (45), डाटा एंट्री ऑपरेटर (609), लेखा अधिकारी/सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) (15), चिकित्सा अधिकारी (15), सहायक विधि अधिकारी (8), सहायक औद्योगिक संबंध अधिकारी (8), स्टेनोग्राफर ग्रेड-ढ्ढढ्ढ अंग्रेजी (12) एवं हिंदी (13), सहायक लैब तकनीशियन (6), सहायक फार्मासिस्ट (25), सहायक स्टाफ नर्स (18), सहायक रेडियोग्राफर (3), सहायक ड्रेसर (5) तथा सहायक ईसीजी तकनीशियन (3) के पद शामिल हैं।

चलती मालगाड़ी के दो डिब्बों के बीच कपलिंग पर बैठकर सफर करता रहा युवक

जोनल स्टेशन पर RPF जवानों की पड़ी नजर, ट्रेन रुकवाकर सुरक्षित उतारा, सुबह 10.30 बजे की घटना



बिलासपुर। चलती मालगाड़ी में एक युवक की जान जोखिम में डालकर सफर करने का मामला सामने आया है। युवक मालगाड़ी के दो वैगन के बीच लगी कपलिंग के ऊपर बैठकर यात्रा कर रहा था।

हैरानी की बात यह है कि वह इसी खतरनाक स्थिति में जोनल स्टेशन तक पहुंच गया। पिछले दिनों जब मालगाड़ी स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-2 से गुजर रही थी, तभी ड्यूटी पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल के जवानों की नजर उस पर पड़ी।

चलते वैगनों के बीच युवक को बैठा देखकर जवान सतर्क हो गए। उन्होंने तत्काल मालगाड़ी रुकवाई और युवक को सावधानी से नीचे उतारा। इसके बाद उसे पकड़कर अपने साथ ले गए। अचानक हुई इस कार्रवाई को देखकर स्टेशन पर मौजूद यात्री और रेलवे कर्मचारी भी हैरान रह गए।

जरा सी चूक से हो सकता था बड़ा हादसा- मालगाड़ी के दो डिब्बों के बीच लगी कपलिंग पर बैठकर सफर करना बेहद खतरनाक है। ट्रेन के चलने के दौरान संतुलन बिगड़ने या जरा सी चूक होने पर युवक नीचे गिर सकता था। ऐसी स्थिति में उसकी जान भी जा सकती थी। RPF जवानों की समय रहते नजर पड़ने से संभावित हादसा टल गया।

कहां से चढ़ा, कितनी दूर किया सफर?- फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक मालगाड़ी में कहां से चढ़ा था और उसने कितनी दूरी इसी तरह तय की। उसकी पहचान और इस तरह सफर करने की वजह को लेकर भी जानकारी सामने नहीं आई है। घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। यह भी जांच का विषय है कि युवक मालगाड़ी तक कैसे पहुंचा और रास्ते में किसी की नजर उस पर क्यों नहीं पड़ी। RPF की ओर से मामले की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।



विद्यार्थियों ने बुजुर्गों के साथ बांटी खुशियां

रायपुर। सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय देवेन्द्र नगर रायपुर के विद्यार्थियों ने बुजुर्गों के साथ खुशियों के दीप से अपने जीवन के पल रोशन किए. सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय देवेन्द्र नगर रायपुर के विद्यार्थियों ने बढ़ते कदम संस्था द्वारा संचालित वृद्धाश्रम आनंद आश्रम में जाकर वृद्धजनों के साथ हर्षोल्लास एवं आत्मीयता से दीपावली मनाई. विद्यार्थियों ने बुजुर्गों के साथ समय बिताया,उनके साथ नृत्य किया,गाने गाए,फुलझड़ियाँ जलाई,मिठाई खाई एवं उनका आशीर्वाद लिया. इस अवसर पर विद्यार्थियों ने दीप भी प्रज्वलित किए साथ ही रंगोली भी बनाकर बुजुर्गों के साथ खुशियां साझा की. बच्चों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से और स्नेहपूर्ण व्यवहार से वृद्धाश्रम का वातावरण उल्लासमय हो गया. सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय रायपुर के सचिव संजय जोशी ने वृद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व नहीं है बल्कि यह सेवा,संवेदना,प्रेम और सामाजिक जिम्मेदारी का भी संदेश देता है. इस अवसर पर बुजुर्गों ने भी विद्यार्थियों को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय देवेन्द्र नगर रायपुर के इस आयोजन के लिए बढ़ते कदम संस्था के अध्यक्ष मुकेश सचदेव, उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश मध्यानी एवं आनंद आश्रम प्रभारी सुनील नरवानी जी ने आभार व्यक्त किया.उन्होंने कहा कि इस आयोजन से विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व की प्रेरणा जागृत हुई है एवं आश्रम में निवासरत बुजुर्गों में भी एक नए उत्साह का संचार हुआ है.

पटवारियो की हड़ताल से व्यवस्थाएं बिगड़ रही है - कांग्रेस

सरकार, पटवारियों की हड़ताल समाप्त नहीं होने देना चाह रही

यश भारत



रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पटवारियों की हड़ताल से व्यवस्थायें बिगड़ रही है। भाजपा सरकार आंदोलनरत पटवारियों की जायज मांगों पर बातचीत कर समाधान निकालने के बजाय उन्हें सस्पेंड कर रही। सैकड़ो पटवारियों को सस्पेंड कर दिया गया, नौकरी में ज्वाइन नहीं करने पर सर्विस इन ब्रेक की धमकी दी जा रही है। सरकार का यह रवैया बेहद अलोकतांत्रिक, तानाशाहीपूर्ण और निंदनीय है। कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें सस्पेंड करना भाजपा सरकार की दमनकारी कार्यशैली को उजागर करता है।

प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पटवारियों की हड़ताल के कारण धान खरीदी की तैयारी बाधित हो रही। किसान परेशान है उनका पंजीयन नहीं हो रहा। खसरा खतौनी दुरूस्त नहीं हो रहा है। सरकार जानबूझकर पटवारियों की हड़ताल को समाप्त नहीं करवा रही ताकि धान कम खरीदना पड़े।

प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पटवारी राजस्व विभाग द्वारा थोपे गए नए पीवी ऐप यानी फिजिकल वेरिफिकेशन ऐप का विरोध कर रहे हैं। इस ऐप के जरिए डिजिटल सर्वे और जीपीएस फोटो अपलोड करना अनिवार्य किया गया है, लेकिन ऐप में लगातार तकनीकी खामियां आ रही हैं। सर्वर डाउन रहना, लोकेशन मैच न होना, और खेत में खड़ी फसल के भौतिक सत्यापन में आ रही व्यवहारिक दिक्कतों से पटवारी परेशान हैं।

प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पटवारी प्रतिवेदन के बिना तहसीलदार और एसडीएम कार्यालयों में राजस्व के प्रकरण लंबित हो गए हैं। धारा 115 के तहत लाखों प्रकरण पहले से ही शीर्ष कार्यालयों में लंबित हैं और अब नए प्रतिवेदन ही नहीं पहुंच रहे हैं। फौती, नामांतरण, बंटवारा और त्रुटि सुधार के लिए किसानों को भटकना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में यदि रिकॉर्ड समय पर दुरुस्त नहीं हुआ तो हजारों किसानों को धान बेचने से भी वंचित होना पड़ सकता है।

प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पटवारी संघ पहले ही सरकार को इन दिक्कतों से अवगत करा चुका था, लेकिन सरकार ने गंभीरता नहीं दिखाई, जिसके चलते उन्हें मजबूरन हड़ताल के रास्ते पर जाना पड़ा। उनका यह विरोध पूरी तरह जायज है। सरकार पटवारियों के हड़ताल का समाधान निकाले ताकि धान खरीदी में उसका विपरीत प्रभाव नही पड़े।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाया जाए- दीपक बैज

भाजपा आदिवासी को जनजाति बनाने का षड़यंत्र कर रही है

आदिवासियों की पहचान छीनने के भाजपा आरएसएस के प्रयास आदिवासी समाज विरोध करता है

यश भारत



रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को भारतीय जनता पार्टी जनजाति गौरव दिवस मना रही है। भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के गौरव के प्रतीक थे, उनकी जयंती को जनजाति गौरव नहीं आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। इसमे शामिल होने के लिये भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आ रहे है आदिवासी समाज अपने आप को जनजाति और वनवासी बोलने का विरोध कर रहे है। भाजपा आदिवासी को जनजाति बनाने का षड़यंत्र कर रही है। आदिवासियों की पहचान छीनने के भाजपा आरएसएस के प्रयास आदिवासी समाज विरोध करता है। हम आदिवासी है आदिवासी रहेंगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी वनवासी बनाने को लगी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा ने विश्व आदिवासी दिवस का विरोध किया था। विश्व आदिवासी दिवस के दिन अपने परंपरा को लेकर आदिवासी समाज गौरव महसूस कर रहा था। आदिवासी दिवस दिन कार्यक्रम कर रहे थे और भाजपा जनजाति बनाने में तुले हुये है। मंत्रालय का नाम भी बदल दिया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा के प्रभाव में आदिवासी संस्कृति को नष्ट करना चाहती है। आरएसएस आदिवासियों की अलग पहचान की हमेशा से विरोधी रही है। इसलिए आदिम जाति कल्याण विभाग का नाम बदला गया। अब जनजाति गौरव दिवस भी बैज ने कहा कि आदिवासी समाज को चिढ़ाने के लिये जनजाति गौरव दिवस मनाने जा रहे है। जब आदिवासी समाज के लोग इसका विरोध कर रहे तो भाजपा जबरदस्ती थोपने का काम रही है। भाजपा को किसी समाज की पहचान हक को छीनने का हक नही हैं। आदिवासी समाज अपने आपको आदिवासी मानता है तो भाजपा को कोई हक नहीं आदिवासियों को जनजाति बनाने का।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा आदिवासी समाज को चिढ़ाने मना रहे है। छत्तीसगढ़ की पहचान यहां के आदिवासी समाज, उसकी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, भाषा और विशिष्ट जीवनशैली से है। आदिवासी समाज की पहचान और उसकी भावनाओं का सम्मान करना सरकार की जिम्मेदारी है। विभाग का नाम बदलने से आदिवासी समाज की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आर्थिक स्थिति में कोई सुधार नहीं होने वाला। सरकार बताए कि इस नाम परिवर्तन से आदिवासी परिवारों को क्या वास्तविक लाभ मिलेगा?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के फैसलों में आदिवासी समाज की विशिष्ट पहचान और सांस्कृतिक अस्मिता को समाप्त करना चाहती है। विश्व आदिवासी दिवस को सरकारी स्तर पर मनाने और आदिवासी समाज को सम्मान देने के सवालों के बीच विभाग का नाम बदलने का फैसला सरकार की बदनीयती को दिखाता है। जनजाति गौरव दिवस की जगह आदिवासी गौरव दिवस क्यों नहीं मनाया जा रहा है?

कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मंजूरी पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मिलकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने जताया आभार

कैशलेस चिकित्सा सुविधा से लाखों शासकीय कर्मचारियों और उनके परिवारों को मिलेगी बड़ी राहत

यश भारत



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के शासकीय अधिकारियों व कर्मचारियों एवं उनके आश्रित परिजनों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा को मंत्रिपरिषद की मंजूरी दिए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर फेडरेशन ने मुख्यमंत्री साय को छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की ओर से आयोजित किए जाने वाले अभिनंदन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया।

फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदेश के अधिकारियों व कर्मचारियों की लंबे समय से प्रमुख मांग रही है। कैशलेस चिकित्सा सुविधा से विशेष रूप से गंभीर बीमारी और आकस्मिक उपचार की स्थिति में कर्मचारियों एवं उनके आश्रित परिजनों को बड़ी राहत मिलेगी। उपचार के लिए पहले बड़ी राशि की व्यवस्था करने और बाद में चिकित्सा प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया से गुजरने जैसी कठिनाइयां कम होंगी। इससे लाखों शासकीय सेवकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा मिल सकेगी। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पंकज पाण्डेय, सत्येंद्र देवांगन, अश्वनी चेलक, जय कुमार साहू, पीताम्बर पटेल, आलोक मिश्रा एवं संतोष कुमार वर्मा सहित फेडरेशन के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

जहां जरूरत थी अपनत्व की, वहां पहुंचीं बाल आयोग अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा बच्चों संग मनाया दीपोत्सव

रायपुर। दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व नहीं, बल्कि उन जीवनों में भी उजाला भरने का अवसर है, जहां परिस्थितियों ने खुशियों के रंग कुछ फीके कर दिए हों। यह पर्व प्रेम, अपनत्व, संवेदना और उम्मीद का संदेश देता है। इसी मानवीय भावना को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने खम्हारडीह स्थित बालिका गृह एवं महिला जेल में निरुद्ध महिला बंदियों के बच्चों के साथ दीपावली का पर्व मनाया और उनके बीच खुशियों के पल साझा किए।

इस विशेष अवसर पर उन्होंने बच्चों के बीच पहुंचकर न केवल दीपावली की खुशियां बांटीं, बल्कि उनके साथ आत्मीयता के कुछ ऐसे पल भी बिताए, जिन्होंने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और मन में अपनत्व का एहसास जगाया। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई, रुचियों, सपनों और भविष्य की आकांक्षाओं को जाना। बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन की परिस्थितियां किसी के सपनों की सीमा तय नहीं कर सकतीं। हर बच्चे को एक सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल बचपन पाने का अधिकार है। किसी भी बच्चे का भविष्य उसकी पारिवारिक परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभा, मेहनत, आत्मविश्वास और उसे मिलने वाले अवसरों से तय होना चाहिए। उन्होंने बच्चों को विश्वास दिलाया कि वे अपने सपनों को संजोएं और पूरे आत्मविश्वास के साथ उन्हें साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें।

इस दौरान महिला जेल में निरुद्ध महिला बंदियों से भी आत्मीय संवाद किया गया। उनके बच्चों की शिक्षा, परवरिश और बेहतर भविष्य को लेकर



चर्चा की गई। उन्हें अपने बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर यह संदेश भी दिया गया कि किसी भी परिस्थिति में बच्चों का बचपन, उनकी भावनाएं और उनके अधिकार प्रभावित नहीं होने चाहिए। बच्चों को अपने माता-पिता की परिस्थितियों का बोझ नहीं, बल्कि अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिलना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान खुशी नामक बच्ची ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। उसके आत्मविश्वास और हुनर को देखकर अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने उसकी खूब सराहना की तथा उसे अपनी प्रतिभा को और निखारने एवं जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस छोटी-सी प्रस्तुति ने यह एहसास कराया कि हर बच्चे के भीतर संभावनाओं का एक संसार छिपा होता है, जिसे बस थोड़े से प्रोत्साहन, विश्वास और अवसर की आवश्यकता होती है।

इस दीपावली की सबसे भावुक और आत्मीय झलक तब देखने को मिली, जब बालिका गृह की बच्चियों ने अपने नन्हे-नन्हे हाथों से तैयार किए सुंदर दीये एवं विभिन्न हस्तनिर्मित सामग्रियां अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा को भेंट कीं। उनके द्वारा स्नेह और मेहनत से बनाई गई इन कलाकृतियों को उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया और बच्चियों की रचनात्मकता, लगन एवं हुनर की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इन दीयों में केवल मिट्टी और रंगों की सुंदरता ही नहीं, बल्कि बच्चियों की मेहनत, कल्पनाशीलता और उनके मन से जुड़ी भावनाएं भी झलक रही थीं। डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि हर बच्चे के भीतर एक अनूठी प्रतिभा और अनगिनत सपने होते हैं। जरूरत है तो बस उन्हें समझने, उनका हाथ थामने और आगे बढ़ने के लिए उचित अवसर देने की। बच्चों को स्नेह, सुरक्षा, सम्मान और प्रोत्साहन मिले, यही उनके बेहतर भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।

चिंतन-मनन

महंगाई के अंधेरे में खुशियों का उजास

दीपावली प्रकाश, उल्लास और समृद्धि का पर्व है। यह केवल घरों में दीप जलाने या बाजारों को रोशनी से सजाने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन से अंधकार मिटाकर प्रेम, सद्भाव और मानवता का उजाला फैलाने का संदेश देता है। भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की स्मृति में मनाया जाने वाला यह पर्व बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दीपावली की चमक के बीच आम आदमी की खुशियों पर महंगाई का साया गहराता जा रहा है। त्योहार की तैयारियों के बीच बढ़ती कीमतों ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है और खुशियों को भी आर्थिक गणित में उलझा दिया है।

इस वर्ष दीपावली पर बाजार में रौनक तो है, लेकिन खरीदारी की क्षमता पर महंगाई का दबाव साफ दिखाई दे रहा है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कीमतों में 3 से 7 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। दूध, मावा, खोया, चीनी और सूखे मेवों की लागत बढ़ने से मिठाइयां 15 से 30 प्रतिशत तक महंगी हो गई हैं। चीनी की कीमत करीब 65 रुपये किलो तक पहुंच गई है, जबकि बादाम और पिस्ता जैसे सूखे मेवों के दाम भी आम उपभोक्ता की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। पिस्ता की कीमत पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी होने की बात सामने आई है। गेहूं, दाल और खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों ने रसोई का बजट भी प्रभावित किया है। सवाल यह है कि जब रोजमर्रा की जरूरतें ही महंगी होती जा रही हैं, तब आम परिवार त्योहार की अतिरिक्त खुशियों का खर्च कैसे उठाए?

महंगाई का दूसरा पहलू उन छोटे कारोबारियों और पारंपरिक कारीगरों की मुश्किलें हैं, जिनकी आजीविका त्योहारों पर निर्भर रहती है। मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हार महंगी मिट्टी, बिजली और परिवहन लागत से परेशान हैं। ऊपर से बाजार में चाइनीज और रेडीमेड लाइटों की बढ़ती मांग ने उनके कारोबार को प्रभावित किया है। जिस दीपावली की पहचान मिट्टी के दीपक से है, उसी पर्व पर दीप बनाने वाले कारीगर आर्थिक संघर्ष कर रहे हैं। यह स्थिति हमारी बाजार व्यवस्था और उपभोक्ता प्राथमिकताओं पर भी सवाल खड़े करती है। स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना केवल स्वदेशी का नारा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका बचाने का प्रयास है। हालांकि दीपावली का वास्तविक अर्थ महंगे उपहार, चमक-दमक और दिखावे में नहीं छिपा है। इसकी सार्थकता मन के भीतर के अंधकार को मिटाने में है। आज समाज ईर्ष्या, द्वेष, असहिष्णुता और भेदभाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में दीपावली हमें प्रेम, करुणा, सहयोग और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। जिस प्रकार छोटे-छोटे दीप मिलकर अंधकार को दूर करते हैं, उसी प्रकार समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने सकारात्मक योगदान से राष्ट्र को मजबूत बना सकता है।

पर्यावरण संरक्षण भी इस पर्व की बड़ी जिम्मेदारी है। पटाखों से होने वाला वायु और ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है। इसलिए हरित दीपावली को अपनाना समय की मांग है। मिट्टी के दीप जलाना, स्थानीय कारीगरों से खरीदारी करना और अनावश्यक खर्च से बचना इस पर्व को अधिक अर्थपूर्ण बना सकता है। सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी भी है कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर निगरानी रखे और जमाखोरी तथा कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करे, ताकि त्योहार आम आदमी की पहुंच से बाहर न हो। अंततः दीपावली का उजाला तभी सार्थक होगा, जब किसी गरीब के घर का चूल्हा भी जले और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान आए। महंगाई के इस दौर में हमें समझना होगा कि त्योहार की खुशियां धन से नहीं, संवेदना और साझेदारी से बढ़ती हैं। इस दीपावली पर संकल्प हो कि हम केवल अपने घर नहीं, बल्कि समाज के हर उस कोने को रोशन करेंगे, जहां अभाव और निराशा का अंधेरा है। यही सच्चे अर्थों में दीपावली का संदेश है।

कड़वे वचन



अक्सर लोग मुझसे पूछते हैं मुनिश्री आप इतना चिल्ला चिल्लाकर क्यों बोलते हैं ? तब मैं कहता हूं कि भाई तुम्हारे घर में कुत्ता होता है । वह तुम्हारे द्वारा दी गई सूखी रूखी रोटी खाकर रात में जब तुम गहरी नींद में होते हो तो वह भौंक भौंक कर चोरों से तुम्हारे धन की रक्षा करता हैं । फिर मुझ तरुणसागर को तो समाज दोनों तरफ घी लगी रोटियां खिलाता है तो भला मैं क्यों न चिल्लाऊं ।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-8 नवम्बर, 2026
दिन-रविवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)
अपने कार्यों को व्यवस्थित रूप से करना आपको सफल बनाएगा। उत्साह में वृद्धि होगी

वृष (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
समाज में मान-सम्मान बना रहेगा। विद्यार्थियों की भविष्य को लेकर चल रही समस्या दूर होगी।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह)
आर्थिक कश्मकश बनी रहेगी। खर्चों पर कटौती करना अति आवश्यक है

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने से पहले उस पर सोच-विचार जरूर करें। सतर्क रहे

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
अपने स्वभाव में अहम की भावना न आने दें। कारोबारी गतिविधियों में दिक्कतें रहेंगी।

कन्या (डो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सफलता मिलेगी परंतु अभी और मेहनत की जरूरत है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
व्यवसायिक संपर्कों को मजबूत करें। किसी राजनीतिज्ञ से मुलाकात लाभदायक साबित होगी।

वृश्चिक (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
पति-प ी के बीच चल रही गलतफहमी का निवारण होगा। संबंधों में पुनः मधुरता आएगी।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी। बदलते वातावरण से सावधान रहना आवश्यक है।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त संबंधी कोई गतिविधि चल रही है तो उससे संबंधित काम हो सकता है।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
परिवार में कोई धार्मिक आयोजन की योजना बनेगी। घर की साज सज्जा में समय व्यतीत होगा।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
समस्या का सामंजस्य से समाधान निकालने की जरूरत है। धैर्य और शांति बनाए रखें।

झिलमिलाती झालरों में गुम होती मिट्टी के दीयों की दिवाली



कभी दिवाली मिट्टी के दीयों की सौंधी महक, घर में बनते पकवानों की मिठास, आँगन में उकेरे जाते मांडणों, रिश्तों के अपनत्व और लोक परंपराओं की जीवंतता का पर्व हुआ करती थी। त्योहार आने से कई दिन पहले ही घरों में तैयारियाँ शुरू हो जाती थीं। बच्चों के चेहरों पर उत्साह होता था, महिलाओं के हाथों में काम की व्यस्तता और बुजुर्गों के पास परंपराओं से जुड़ी अनगिनत स्मृतियाँ होती थीं। समय बदला, जीवनशैली बदली और दिवाली मनाने के तौर-तरीके भी बदल गए। आज बिजली की रंग-बिरंगी लड़ियाँ, आकर्षक सजावट, महँगे उपहार, मिठाइयों के सुंदर डिब्बे, पटाखों का शोर और इंटरनेट पर शुभकामनाओं की भरमार इस पर्व का हिस्सा बन चुके हैं। आधुनिकता ने त्योहार को नया स्वरूप तो दिया है, लेकिन इस चमक-दमक के बीच एक सवाल भी उठता है कि क्या हमने दिवाली की मूल आत्मा को कहीं पीछे छोड़ दिया है?

दिवाली केवल अमावस्या की रात को रोशन करने का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और दूरियों पर अपनत्व की विजय का प्रतीक है। धनतेरस, रूप चौदस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जैसे पाँच पर्वों से सजा यह उत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत और पारिवारिक एकजुटता का परिचायक है। दुर्भाग्य से आज अनेक परिवारों में इसकी रौनक एक दिन की औपचारिकता तक सिमटती जा रही है।

दिवाली की सबसे सुंदर और विशिष्ट पहचान मिट्टी के दीये हुआ करते थे। त्योहार से कई दिन पहले बाजारों में कुम्हारों की दुकानें सज जाती थीं। बच्चे अपने माता-पिता के साथ दीये खरीदने जाते और घर लौटकर उन्हें पानी में भिगोने, सुखाने तथा व्यवस्थित करने में हाथ बँटाते थे। फिर उनमें तेल और बाती डालकर घर के कोने-कोने में जलाया जाता था। मिट्टी के इन छोटे-छोटे दीयों की टिमटिमाती लौ में केवल रोशनी नहीं, बल्कि मिट्टी से जुड़ाव, श्रम का सम्मान और अपनी परंपराओं के प्रति आत्मीयता भी समाहित होती थी। गाँवों में कुम्हार अपने चाक पर मिट्टी से दीये, कुल्हड़, खिलौने और अन्य उपयोगी वस्तुएँ बनाते थे। कई स्थानों पर किसान अनाज के बदले कुम्हारों से दीये लेते थे। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारस्परिक सहयोग की ऐसी व्यवस्था थी, जिसमें एक परिवार की खुशियाँ दूसरे परिवार की आजीविका से जुड़ी होती थीं। आज बिजली की झालरों और सजावटी रोशनियों ने मिट्टी के दीयों का स्थान काफी हद तक ले लिया है। हम घर की सजावट पर हजारों रुपये खर्च करने से नहीं हिचकिचाते, लेकिन मिट्टी का दीया खरीदते समय उसकी कीमत पर मोलभाव करते हैं। इसका सीधा असर उन कुम्हार परिवारों पर पड़ रहा है, जिनकी पीढ़ियाँ इसी पारंपरिक व्यवसाय से जुड़ी रही हैं। ऐसे में मिट्टी के दीये खरीदना महज परंपरा निभाना नहीं, बल्कि स्थानीय कारीगरों की आजीविका, आत्मसम्मान और पारंपरिक हुनर को बचाने का छोटा लेकिन सार्थक प्रयास है।

दिवाली की तैयारियों में कभी घर की रसोई भी उत्सव का प्रमुख केंद्र हुआ करती थी। महिलाएँ कई दिन पहले से लड्डू, मठरी, शक्करपारे, नमकपारे, चकली, गुझिया और तरह-तरह के नमकीन बनाने में जुट जाती थीं। घर की रसोई से उठती घी और मसालों की खुशबू पूरे वातावरण को त्योहारमय बना देती थी। परिवार के दूसरे सदस्य भी अपने-अपने ढंग से सहयोग करते थे। कोई सामग्री तैयार करता, कोई पकवान तलने में मदद करता तो कोई उन्हें डिब्बों में सजाता था। इन पकवानों में केवल आटा, घी और चीनी नहीं, बल्कि परिवार का सामूहिक श्रम, प्रेम और अपनापन भी घुला होता था। आज समय की कमी और बदलती जीवनशैली के कारण बाजार की मिठाइयों तथा पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर निर्भरता बढ़ गई है। बाजार से मिठाई खरीदना गलत नहीं है, लेकिन घर में कुछ पारंपरिक पकवान बनाकर परिवार के साथ बाँटने का आनंद किसी महँगे मिठाई के डिब्बे में नहीं मिल सकता। आखिर मिठास केवल मिठाई में नहीं, बल्कि उसे बनाने, परोसने और अपनों के साथ बाँटने के भाव में भी होती है।

राजस्थान की लोक संस्कृति में दिवाली की तैयारियों का विशेष महत्व रहा है। घरों की सफाई और लिपाई-पुताई के बाद आँगन में मांडणे बनाए जाते थे। रंगोली, फूलों की सजावट और पारंपरिक आकृतियाँ घर की सुंदरता में चार चाँद लगा देती थीं। मुख्य द्वार पर आम और अशोक के पत्तों के वंदनवार बाँधे जाते थे। पूजा स्थल को विशेष रूप से सजाया जाता और घर की महिलाएँ पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार लक्ष्मी पूजन की तैयारियाँ करती थीं। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन को नहलाने, सजाने और उनकी पूजा करने की परंपरा भी उत्सव का अभिन्न हिस्सा रही है। महिलाएँ और लड़कियाँ घर में मेहँदी भिगोकर एक-दूसरे के हाथों पर लगाती थीं। मेहँदी का रंग गहरा होने की प्रतीक्षा में रातभर हँसी-मजाक और बातचीत का दौर चलता था। ये गतिविधियाँ केवल त्योहार की तैयारियाँ नहीं थीं, बल्कि परिवार को जोड़ने और लोक संस्कृति को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के सहज माध्यम थीं। आज तैयार मेहँदी, बाजार की सजावटी वस्तुओं और ऑनलाइन खरीदारी ने इन सामूहिक गतिविधियों का स्थान ले लिया है। सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन परिवार के साथ बिताए जाने वाले आत्मीय पल धीरे-धीरे कम हुए हैं।

दिवाली के बदलते स्वरूप का एक चिंताजनक पक्ष पटाखों का बढ़ता शोर और प्रदूषण भी है। कुछ घंटों की आतिशबाजी के लिए बड़ी मात्रा में धन खर्च किया जाता है, जबकि इससे निकलने वाला धुआँ वायु की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। तेज आवाज बुजुर्गों, छोटे बच्चों और ध्वनि के प्रति संवेदनशील लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती है। पशु-पक्षी भी इस शोर से भयभीत होते हैं। त्योहार की खुशी ऐसी नहीं होनी चाहिए, जो किसी दूसरे जीव या व्यक्ति के लिए कष्ट का कारण बन जाए। हमें यह समझना होगा कि उत्सव का अर्थ केवल शोर करना और धन खर्च करना नहीं है। कम पटाखे चलाना, पर्यावरण के अनुकूल सजावट करना, ऊर्जा की बचत करना और आसपास स्वच्छता बनाए रखना जिम्मेदार नागरिक होने के साथ-साथ हरित दिवाली की दिशा में भी आवश्यक कदम हैं।

तकनीक ने भी दिवाली के स्वरूप को काफी प्रभावित किया है। इंटरनेट, फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप के माध्यम से कुछ ही क्षणों में शुभकामना संदेश हजारों लोगों तक पहुँच जाते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से आकर्षक चित्र, संदेश और शुभकामना पत्र भी तैयार किए जा रहे हैं। निस्संदेह तकनीक ने दूर बैठे परिजनों और मित्रों से संपर्क आसान बनाया है, लेकिन डिजिटल संदेश आत्मीय मुलाकात का विकल्प नहीं हो सकते। किसी बुजुर्ग के पास बैठकर उनका हाल पूछना, किसी रूठे रिश्तेदार को गले लगाना, पुराने मित्र से मिलना और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ही त्योहार की वास्तविक सार्थकता है। एक क्लिक से भेजी गई शुभकामना और किसी के घर जाकर दी गई आत्मीय बधाई के भाव में अंतर होता है। तकनीक संपर्क का माध्यम बन सकती है, लेकिन रिश्तों की गर्माहट मनुष्य के व्यवहार से ही कायम रहती है।

दिवाली के उत्सव में बढ़ता दिखावा और महँगाई भी विचारणीय विषय हैं। महँगे कपड़े, उपहार, सजावट और सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर होने वाला अनावश्यक खर्च कई परिवारों पर आर्थिक दबाव पैदा करता है। सोशल मीडिया पर दूसरों की सजावट और उत्सव देखकर अपनी खुशियों को उनसे बड़ा दिखाने की प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है। परिणामस्वरूप त्योहार कभी-कभी आनंद के बजाय आर्थिक बोझ बन जाता है। जबकि भारतीय संस्कृति में त्योहारों का मूल भाव सादगी, संतोष, सद्भाव और सामूहिक प्रसन्नता रहा है। किसी जरूरतमंद परिवार को मिठाई देना, किसी गरीब बच्चे को नए कपड़े दिलाना या किसी अकेले बुजुर्ग के साथ कुछ समय बिताना महँगे उपहारों से कहीं अधिक मूल्यवान हो सकता है। खुशियाँ जितनी बाँटी जाती हैं, उतनी ही बढ़ती हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं को भी सँभालकर रखें। इसके लिए किसी बड़े परिवर्तन या अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता नहीं है। इस दिवाली कुछ मिट्टी के दीये खरीदें, स्थानीय कुम्हारों को प्रोत्साहित करें, घर में पारंपरिक पकवान बनाएँ, बच्चों को मांडणों और लोक परंपराओं से परिचित करवाएँ, बुजुर्गों के साथ समय बिताएँ और किसी जरूरतमंद की सहायता करें। अगली पीढ़ी को केवल बिजली की लड़ियों, कैमरों और सोशल मीडिया पर प्रदर्शित होने वाली दिवाली नहीं, बल्कि मिट्टी के दीयों, पारिवारिक आत्मीयता, लोक संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं से सजी दिवाली भी विरासत में मिलनी चाहिए। पुरानी परंपराओं को ज्यों का त्यों दोहराना आवश्यक नहीं, लेकिन उनमें निहित प्रेम, सहयोग, सादगी और सम्मान के मूल्यों को बचाए रखना हमारा दायित्व है।

आखिरकार, बिजली की लड़ियाँ घर रोशन कर सकती हैं, लेकिन रिश्तों में उजाला नहीं भर सकतीं। महँगे उपहार चेहरे पर क्षणिक मुस्कान ला सकते हैं, लेकिन मन को सच्ची खुशी अपनत्व से ही मिलती है। पटाखों का शोर उत्सव का एहसास करा सकता है, लेकिन किसी के मन का सन्नाटा दूर नहीं कर सकता। इसलिए इस दिवाली केवल घर नहीं, दिल भी रोशन करें। मिट्टी के दीये जलाएँ, अपनी संस्कृति सँभालें, मेहनतकश कारीगरों का सम्मान करें और उन रिश्तों को समय दें, जिन्हें आधुनिक जीवन की भागदौड़ में पीछे छोड़ आए हैं। क्योंकि दिवाली की वास्तविक सार्थकता उसकी बाहरी चमक में नहीं, बल्कि उस उजाले में है जो हमारे व्यवहार, विचारों और संवेदनाओं में दिखाई देता है। झिलमिलाती झालरों के बीच मिट्टी के दीयों की लौ बुझने न पाए, यही हमारी परंपरा, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों के प्रति सच्चा संकल्प होना चाहिए।

(लेखक -सुनील कुमार महला)

भगवान राम व श्रीकृष्ण भी मनाते थे दीपावली!

शुभं करोतु कल्याणं आरोग्यं सुख संपदाम।
दुष्ट शक्तिः विनाशाय दीप ज्योति नमोस्तुते।।

हिंदू धर्म मे दीपावली पर्व शुद्ध रूप से सामाजिक एवं भौगोलिक पर्व के रूप में मनाया जाता है। इसको द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण भी मनाया करते थे। त्रेता युग में भगवान राम ने भी दीपावली का मनाया था और इससे पहले सतयुग में दीपावली को मनाया जाता था। दीपावली का वास्तविक नाम है, *शारदीय नवसस्येष्टि पर्व* जिसका अर्थ है *शरद ऋतु में आई हुई फसल का यज्ञ* अर्थात् खरीफ की फसल तिलहन, दलहन, अनाज यथा धान, मक्का, चना, मसूर, जौ, उड़द, सोयाबीन, अरहर आदी का प्रेम से स्वागत करना, पूजा करना, सबसे पहले इन नई फसलों को प्राप्त करने के बाद इसे परमात्मा व देवताओं को भोग लगाना। भोग लगाने की विधि यज्ञ है। जो अग्नि देवताओं का मुख है। अग्नि को दी हुई आहुति परमात्मा व सभी देवताओं को प्राप्त होती है। इससे परमात्मा व सभी देवी देवता प्रसन्न होते हैं और जन कल्याण करते हैं। हमारी संस्कृति त्याग और दान की संस्कृति है। हम नई फसल से नए-नए पकवान खीर, हलवा, मिठाई लड्डू बताशा आदि बनाते है। अपने माता-पिता, गुरु- आचार्य, बड़े-बुजुर्ग, रिश्तेदार, असहाय, निर्बल, अनाथ, हमारे सेवक, कर्मचारी, पड़ोसी, हमारे रक्षक पुलिस, सेना को देकर यथायोग्य ग्रहण कराते है। सामाजिक स्तर पर कर्म के अनुसार किसान और व्यापारी इस पृथ्वी पर समृद्धि लाते हैं और अभाव को दूर करते हैं इनका सदकार्य ही यही है-

पशुनां रक्षणं दानं इज्याह्यध्ययनमेव च।
वणिक् पथं कुसीदं च वैश्यस्य कृषिमेव च।।

अर्थात - पशुओं का पालन एवं रक्षण तथा दान देना, यज्ञ करना, स्वाध्याय करना इस नियमित अङ्ग और व्यापार- वस्तुओं का आयात निर्यात और पैसों का निवेश करना यह व्यापारी एवं किसान के कार्य है।परंतु किसान की उपेक्षा करके कभी किसी समाज की शुभ दीपावली नहीं हो सकती। कुछ लोग लक्ष्मी का अर्थ, नोट करेंसी को मानते है ।लेकिन जब नोट नहीं थे, तब लक्ष्मी नहीं थी क्या? लक्ष्मी तब भी थी। तब तांबे, सोने, चांदी के सिक्के चलते थे। एक समय ऐसा भी था जब सिक्के नहीं थे, तब क्या लक्ष्मी नहीं थी? अवश्य थी। फिर लक्ष्मी क्या है लक्ष्मी है धान, अनाज। यही विशुद्ध रूप से लक्ष्मी है और इस लक्ष्मी को देने वाला किसान है।इसलिए इस दीपावली में आसपास के गरीब किसानों का संबल बने उनके पास जायें ,हो सके तो उनके कर्ज को हल्का या कम करने का प्रयास करें। उनके बच्चों को मिठाई कपड़ा इत्यादि देंयह उनपर पर दया नही,बल्कि उनका अधिकार समझ कर दे।

दीपावली के पर्व

धनतेरस - लोक में ऐसा प्रचलन है कि इस दिन स्वर्ण, चांदी, तांबे की खरीदी करना शुभ होता है। इसलिए लोग जमकर आभूषण इत्यादि खरीदते हैं। आइए! समझते हैं धनतेरस क्या है। धनतेरस में दो शब्द है पहला है धन जिस का सामान्य अर्थ लगाया जाता है पैसा रुपया सोना चांदी आदि और तेरस का अर्थ है त्रयोदशी *धनतेरस* के दिन त्रयोदशी तिथि होती है। कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस मनाया जाता है। पर त्रयोदशी को स्वर्ण आदि आभूषण खरीदने से क्या लाभ और शुभ? क्या साल भर ज्वेलरी की दुकानें बंद रहती है? क्या दूसरे दिन खरीदना अशुभ है? बिल्कुल भी नहीं फिर धनतेरस का क्या मतलब? धन का सबसे पहला अर्थ है - शरीर, *पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया* माया तो दूसरे स्थान पर है। पहली संपत्ति तो हमारा शरीर है। आपसे कोई अपका एक हाथ मांग ले बदले में कई लाख रुपए देने की बात कहे तो आप कदापि नहीं मानेंगे। इसका मतलब पहला धन तो आपका शरीर ही है। इससे बड़ा कुछ नहीं है अब आप पूछेंगे? इसका धनतेरस से क्या मतलब है? आयुर्वेद के बहुत बड़े ज्ञाता ऋषि हुए हैं। धन्वंतरि और उन्होंने अपनी बात प्रारंभ की है। शरीर रूपी धन से। उन्होंने शरीर को सबसे बड़ा धन बताया है। इसलिए पहला धन तो शरीर है यदि आप स्वस्थ रहें निरोग है तो संपत्ति और भी कमा सकते हैं। कहावत तो आपने सुनी है *जान है तो जहान है* तो बताइए आपको पहला धन पवित्र आत्मा और शरीर हुआ ना। आपका सुंदर स्वास्थ्य ही आपका धन है। धन्वंतरि के स्मरण में हम त्रयोदशी को धनतेरस मनाते हैं। शरद ऋतु में शरीर का ध्यान रखना यह आयुर्वेद के अनुसार भी बहुत जरूरी है। क्योंकि शरद ऋतु में ध्यान रखा गया शरीर पूरे साल भर स्वस्थ रहता है। जीवेम शरदः शतम् इस मंत्र के भाग में शरद शब्द का उल्लेख है अर्थात् हम सौ वर्ष तक जिए हम सौ शरद ऋतु देखें। शरद ऋतु की उपेक्षा करके कोई व्यक्ति सौ वर्ष तक नहीं जी सकता। इसीलिए हमारा पहला धन शरीर है। ध्यान रहे! हमारा पहला धन शरीर है परंतु व्यक्ति संपत्ति कमाने के लिए इस अमोल शरीर और मानव जन्म को दांव पर लगा देता है। फिर शरीर ठीक करने के लिए पूरी संपत्ति को गवां देता है। इसलिए आइए असली धन को समझें और धनतेरस ऐसे ही मनाएं। कालांतर में लोगों ने स्वर्ण आभूषणों को बड़ा धन मान लिया।

लक्ष्मी पूजा - लक्ष्मी पूजा दीपावली जो मुख्य पर्व है इस दिन आप लोगों को दो बार यज्ञ हवन करना होगा। एक बार प्रातः काल घर में और दूसरी बार आपके प्रतिष्ठान व्यवसाय ऑफिस दुकान फैक्ट्री आदि में। जहां पर बैठ करके आप अपना कार्य करते हैं। दीपावली से पहले ही आप अपने घर की साफ-सफाई, रंगरोगन, आदि कर लें। क्योंकि वर्षा ऋतु अभी गई है और साफ-सफाई की बड़ी आवश्यकता है। रात्रि को पवित्र मन से शयन करें। पर्वों पर और अमावस्या, पूर्णिमा और अष्टमी इन पर्व तिथियों पर कम से कम पति और पत्नी का सहवास वर्जित है,एवं पाप है। इस दिन पवित्र रहे प्रातः काल 4 बजे उठे प्रार्थना करें। योग प्राणायाम करें। सभी मिलकर के आनंदोत्सव से मिठाइयां पकवान बनाए घर में यज्ञ हवन करें। विद्वानों को बुलाकर के हवन करवाएं। आपकी हवन सामग्री में बताशे धान मूंग मसूर दाल जो नई फसल है उसको मिलाएं और दीपावली *शारदीय नव सस्येष्टि* के मंत्रों से आहुतियां दें। परिवार के कल्याण के लिए समाज के कल्याण के लिए देश के कल्याण के लिए परमात्मा से प्रार्थना करें। साथ में यह भी कहें कि पहले सुधार मेरे से शुरू होगा।

लक्ष्मी पूजा - लक्ष्मी का अर्थ है जो आपके लक्ष्य की पूर्ति में आपका सबसे सहायक साधन हो, वह लक्ष्मी है। बिना शुद्ध लक्ष्य के शुद्ध लक्ष्मी भी प्राप्त नहीं होती है। इसलिए हमारा लक्ष्य भी ऊंचा और श्रेष्ठ होना चाहिए। अपने घर को सजाएं। घी के दीपक जलाएं। दिवाली वाले दिन अमावस्या तिथि होती है और यह अमावस्या 12 महीने में जो 12 अमावस्यायें आती है उसमें यह सबसे काली अमावस्या होती है। सबसे प्रगाढ अंधकार वाली अमावस्या होती है। हम चाहते हैं कि हम घी के दीपक जला करके इस अंधकार को दूर करें। *तमसो मा ज्योतिर्गमय* हम अंधकार से प्रकाश की ओर चलें। हमारे मन से अंधकार मिटे, हमारे समाज से अज्ञान, अंधकार, अभाव दूर हो यही *दीपावली* का संदेश है। दीप का अर्थ है दीपक और अवली का अर्थ है पंक्ति, जिस पर्व में दीपक की बड़ी-बड़ी पंक्तियां लगाकर घृत के दीपक जलाते हैं उसे दीपावली कहते हैं।

गोवर्धन पूजा- हमारे पूर्वजों ने हमारे पर्वों को कितना सुंदर सजाया है, कितना सामंजस्य बैठाया है। मैंने अभी कहा,लक्ष्मी का मतलब करेंसी नहीं है, हमारी फसल है। अब आप बताइए बिना गो माता की पूजा के किसानों की समृद्धि कैसे हो सकती है या फिर लक्ष्मी पूजा कैसे हो सकती है। गोवर्धन अर्थात गौ माता का रक्षण पालन और संवर्धन। बिना गो माता के खेती कैसे हो सकती है? फसल अच्छी कैसे हो सकती है? विदेशी खाद फ़र्टिलाइज़र से आप सिर्फ बीमार पड़ेंगे। परंतु शुद्ध गाय के गोबर के खाद से खेती करने पर उसका कितना लाभ होता है आप जानते हैं।

(लेखक- डा श्रीगोपाल नारसन)

पत्थरों के शहरों में रोशनी की तलाश....



बारूदों के मौसम
सुलग रहे धकते दिलों की सुरंगों में
थकी हुई बोझिल सांसे, फ़िरि हुई
उदास
बुझे हुए मन के चिरा?
पत्थरों के शहरों में
रोशनी की तलाश...
घना अंधेरा है दूर
तलक,पसरा
आंसुओं में तैरती
दिवाली की गुजरिया
जिंदगी के अनगिनत
बंटवारे,नाप जोख
सब बेमानी,खसरा
हारे हुए स्वप्न सभी
गुम हुए हुकुम के इक्के , जली हुई
अब ताश,पत्थरों के शहरों में रोशनी
की तलाश...
गुमशुदा कंदीलों के
कौन जगाए,भाग्य
तेल बाती सब बिखरे
जाने कहाँ गए
उजियारों के गूंजते राग
फुलझ?ियों के फूल झड़ गए,बुझे
बुझे अनार,धुआँ हँसता रहा चौखट
हवेली
उलझी रही पहेली
दीप अकेले लड़ते रहे हवाओं से,पीर
पर्वत
नंगे पांव दौ?ती रही लाश,
पत्थरों के शहरों में
कभी न ख़त्म होने वाली
रोशनी की तलाश....

रमाकान्त निगम



एक और दिवाली....

अंतर्मन के दीपों की
अनकही कहानियां जग
जाहिर हो गईं.....
जुगनुओं की अंधेरी बस्ती
पांच सितारा होटल के लिए
रातों रात खाली हो गई...
वही शतरंज वही बाजी
राजनीति के पहाड़ों की
दलाली....
दिय संग बाती हुई मौन
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली.....
बेदम उजियारा
हांफने लगा...अंधियारे
हंसते रहे गली चौराहे
बस्ती
कंदीलों के चुभते नाग
फनी
किस्मत ने हद कर दी....
ग्रहण लगी ज़िंदगी
हर बार रही सवाली...
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली...
फुटपाथों के दर्द हुए
बेपर्दा... अपाहिज़ बचपन
जले हुए पटाखों की
बासी बारूद लपेटे,जलते
रहे...मन घायल
आतिशबाजियों से
रहा डरता....
तन टेहाल,जेब रहे खाली..
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली....
बुझे हुए अनार सी बोझिल
सांसों के अनगिनत लुटेरे
जाने कितने ज़ख्म लिए
अभिशाप हुए वनवासों के
फेरे....
हिस्से में हर बार हमारे
वही अमावस..रात काली...
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली....

रमाकान्त निगम

नियमों को ताक पर रखकर ब्लैक मार्केट में बिक रहे पाइप बम

लोकल मैन्युफैक्चरिंग के चलते कार्रवाई से बच रहे कारोबारी, 125 डेसीबल तक धमाकों से दहलेगी शहर की आबादी

जबलपुर, यशभारत। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही शहर में पटाखों की दुकानें सज गई हैं। बाजार में आतिशबाजी की तमाम वैरायटी के बीच सबसे बड़ा खतरा उन पाइप बमों से है, जिनकी न तो कोई ब्रांडिंग होती है और न ही निर्माण करने वाली कंपनी का स्पष्ट नाम। स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले ये पाइप बम खुले बाजार में सामने से बेचने के बजाय कथित तौर पर ब्लैक मार्केट में मांग के आधार पर बेचे जा रहे हैं। तेज धमाकों और अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण के लिए कुख्यात इन बमों की बिक्री पर अंकुश लगाना जिला प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।



दरअसल, चाइना पटाखों पर प्रतिबंध के बाद भी तेज आवाज वाले पटाखों का कारोबार थमा नहीं है। शिवाकाशी से आने वाले पटाखों के अलावा स्थानीय आतिशबाज भी सुतली बम, एटम बम और विशेष रूप से पाइप बम तैयार कर रहे हैं। इनमें पाइप बम सबसे ज्यादा चिंता का विषय हैं। इनका निर्माण स्थानीय स्तर पर होने के कारण किसी स्थापित ब्रांड का नाम या निर्माता की पहचान सामने नहीं आती। यही वजह है कि इनके निर्माण, भंडारण और बिक्री पर कार्रवाई करना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

दुकानों पर नहीं दिखेंगे, मांगने पर होगी सप्लाई

पाइप बमों का कारोबार करने वालों ने कथित तौर पर बिक्री का तरीका भी बदल लिया है। दुकानों के सामने इन्हें खुलेआम प्रदर्शित करने या बेचने के बजाय अलग से मांग करने वालों को उपलब्ध कराया जा रहा है। यानी बाजार में पटाखों की दुकानों पर भले ही इनकी मौजूदगी नजर न आए, लेकिन पर्दे के पीछे इनका कारोबार जारी रहने की शिकायतें हैं। ऐसे में प्रशासन की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का असर वास्तविक बिक्री तक पहुंच पाएगा या नहीं, यह बड़ा सवाल है।

125 डेसीबल तक धमाके आम लोगों की परेशानी

तेज आवाज वाले पटाखों से होने वाले धमाके रहवासी इलाकों में बुजुर्गों, छोटे बच्चों, बीमार व्यक्तियों और हृदय रोगियों के लिए परेशानी का कारण बनते हैं। 125 डेसीबल तक की आवाज वाले पटाखों को लेकर ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों और न्यायालयीन निर्देशों के तहत प्रतिबंधात्मक प्रावधान लागू हैं। इसके बावजूद हर साल दीपावली पर कानफोड़ू धमाकों की शिकायतें सामने आती हैं। पाइप बमों से होने वाला तेज धमाका ध्वनि प्रदूषण के साथ लोगों में घबराहट और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी बढ़ा सकता है।

स्थानीय निर्माण पर कार्रवाई कौन करेगा?- सबसे अहम सवाल स्थानीय स्तर पर हो रहे निर्माण को लेकर है। जब किसी पटाखे पर निर्माता का नाम, ब्रांड या वैधानिक पहचान ही नहीं होगी, तो उसकी सप्लाई चेन तक पहुंचना आसान नहीं होगा। प्रशासन को केवल लाइसेंसधारी दुकानों की जांच तक सीमित रहने के बजाय स्थानीय निर्माण स्थलों, अवैध भंडारण और पर्दे के पीछे चल रहे कारोबार पर भी निगरानी रखनी होगी। अन्यथा प्रतिबंधात्मक आदेश कागजों तक सीमित रह जाएंगे और दीपावली की रात शहर के रहवासी इलाकों में तेज धमाकों का सिलसिला जारी रहेगा।

समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बढ़ेगी मुश्किल

पटाखों की खेप बाजार में पहुंचने के बाद ऐन वक्त पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करना कितना प्रभावी होगा, यह भी विचारणीय है। प्रशासन को पहले से ही ध्वनि सीमा का उल्लंघन करने वाले पटाखों की पहचान, स्थानीय निर्माताओं की जांच और अवैध बिक्री पर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए थी। अब सवाल यह है कि जिला प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभाग पाइप बमों के इस कथित ब्लैक मार्केट पर कितना अंकुश लगा पाते हैं या फिर इस बार भी आम नागरिकों को कानफोड़ू धमाकों के बीच दीपावली मनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

दो महीने से चलने-फिरने में असमर्थ 15 माह की हथिनी 'माया' हुई एयरलिफ्ट, इलाज के लिए पहुंचेगी वंतारा

कोच्चि। केरल के कपरीक्कड़ स्थित अभयारण्यम कैंप में पली-बढ़ी 15 माह की हथिनी माया को बेहतर इलाज और गहन चिकित्सा देखभाल के लिए जामनगर स्थित वंतारा ले जाया जा रहा है। माया पिछले करीब दो महीने से अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो पा रही है। उसकी लगातार बिगड़ती हालत को देखते हुए वन विभाग ने विशेषज्ञों की सलाह पर उसे एयरलिफ्ट करने का निर्णय लिया है। माया को जन्म के दिन ही उसके झुंड ने छोड़ दिया था। इसके बाद उसे अभयारण्यम कैंप लाया गया, जहां वन विभाग के अधिकारियों और देखभाल करने वालों ने उसका पालन-पोषण किया। जुलाई 2026 में वह अचानक गिर गई, जिसके बाद उसके पैरों में वजन सहने की क्षमता नहीं रही। वह करीब दो महीने तक उठ नहीं सकी। उसके इलाज के लिए वन विभाग ने विशेष मेडिकल बोर्ड गठित किया। बोर्ड की



सलाह पर पशु चिकित्सकों ने लगातार उपचार किया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। लंबे समय तक लेटे रहने के कारण शरीर पर घाव होने, मांसपेशियां कमजोर पड़ने और सांस लेने व पाचन संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ गया। 24 अक्टूबर को विशेषज्ञों ने माया की जांच की। इसके बाद वन विभाग ने हाथियों के उपचार और पुनर्वास में विशेषज्ञता रखने वाली वंतारा की टीम से संपर्क किया। टीम तत्काल अभयारण्यम पहुंची और वन अधिकारियों व चिकित्सकों के साथ मिलकर माया की स्थिति का आकलन किया। इसंयुक्त जांच के बाद विशेषज्ञों ने सहमति जताई कि माया के बेहतर उपचार और स्वस्थ होने की संभावना के लिए उसे वंतारा ले जाना जरूरी है। अब उसे कोच्चि हवाई अड्डे से जामनगर एयरलिफ्ट किया जा रहा है।



एम्स भोपाल में राष्ट्रीय ऑटोप्सी क्विज में रीवा की टीम ने मारी बाजी

भोपाल,यश भारत। एम्स भोपाल के फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग द्वारा 8वीं राष्ट्रीय ऑटोप्सी क्विज फोरेंस का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देशभर के मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दस राउंड की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद श्याम शाह शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयय रीवा की टीम विजेता बनी, जबकि एम्स भोपाल की टीम उपविजेता रही। वर्ष 2015 में शुरू हुई यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी के व्यावहारिक और चिकित्सकीय ज्ञान से जोड़ने का मंच प्रदान कर रही है। एम्स के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेंद्र कोतवाल ने आयोजन की सराहना की।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र पांच दिन का रखने पर उमंग सिंघार ने उठाए सवाल

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र को पांच दिन का रखने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समस्याओं का अंबार है, लेकिन सरकार विधानसभा में चर्चा के लिए पर्याप्त समय नहीं दे रही है। सिंघार ने कहा कि इससे पहले मानसून सत्र भी पांच दिन के लिए बुलाया गया था लेकिन उसे तीन दिन में ही समाप्त कर दिया गया।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने ग्रामीणों को सौंपे मालिकाना हक के दस्तावेज, बोले- गरीब कल्याण में नहीं किया जाता भेदभाव

कोटरा गांव में स्वामित्व योजना के तहत शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूरी



भोपाल,यश भारत। हुजूर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोटरा में स्वामित्व योजना के तहत शत-प्रतिशत पट्टों की रजिस्ट्री का कार्य पूरा हो गया है। धनतेरस एवं दीपावली के अवसर पर शुक्रवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने गांव पहुंचकर पात्र हितग्राहियों को रजिस्ट्री के दस्तावेज वितरित किए। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताते हुए कहा कि स्वामित्व योजना गरीबों को स्थायी मालिकाना हक देने की महत्वपूर्ण पहल है। रजिस्ट्री होने से ग्रामीण अब अपनी संपत्ति पर बैंक से ऋण लेने के साथ वैध रूप से क्रय-विक्रय भी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब कल्याण में कभी भेदभाव नहीं करती। अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है। इसमें भाजपा कांग्रेस का भेद नहीं किया जाता। विधायक ने रजिस्ट्री कार्य समय पर पूरा करने के लिए एसडीएम तहसीलदार राजस्व निरीक्षक और पटवारियों सहित पूरे राजस्व अमले की सराहना की।

नेकी की दीवार पर अब नहीं रह गई नेकी

या तो जला दिये जा रहे कपड़े,या फिर बेचने वाले उठा लेते हैं

जबलपुर यश भारत। बड़े नेक इरादे से शहर में नेकी की दीवार शुरू की गई थी। जगह जगह ऐसे स्थान चिन्हित किए गए थे जहां लोग उनके लिए अनुपयोगी और पुराने हो चुके सामान वस्त्र, जूते, बर्तन, किताबें आदि रख जाएं तो जिन्हें जरूरत हो अपने हाथ से उठा कर ले जांए। इसका उद्देश्य उन गरीब परिवारों की मदद करना उद्देश्य रहा जो उन्हें खरीदने की क्षमता नहीं रखते हैं उनके अभावों को दूर करना रहा।



प्रारंभ में इसके प्रति लोगों की रुचि भी दिखी लोग दिल खोलकर वहां अपने घर में अनुपयोगी और पुरानी हो गई वस्तुएं छोड़ जाते थे और गरीब, मजदूर, रिक्शेवाले आदि अन्य लोग यहां तक कि सक्षम आर्थिक स्थिति वाले भी वहां से अपनी जरूरतों के सामान ले जाते हुए देखे गए। एक प्रकार से नेकी की दीवार वाले स्थान आदर्श अदल बदल के केन्द्र नजर आए। लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं। नेकी की दीवार वाली जगह अब एक प्रकार से कचरे के स्थान में तब्दील हो चुके हैं ?। अब वास्तविक जरूरत मंदों को वहां कोई जरूरत की वस्तु नहीं मिलती है। वैसे भी वहां पुराने बर्तन, किताबें, जूते आदि नहीं देखे गए।जो गरीब गुरबे वहां किसी उम्मीद से जाते थे, अब उनने उस तरफ देखना भी बंद कर दिया है। कारण यही की वहां उनकी जरूरतों का सामान कभी मिलता ही नहीं। उसके बाद रही सही कसर उन संग्रहकर्ताओं ने खत्म कर दी जो पुराने अच्छे कपड़े बटोर कर ले जाते हैं और उन्हें धोकर प्रेस करके गांवों में ले जाकर बेच देते हैं।रहे सहे कपड़ों के कचरे के ढेर को जला दिया जाता है या उनमें जानवर गंदा कर लोटते रहते हैं।गत दिवस ऐसा नजारा एक स्थान पर देखा गया जहां से पुराने कपड़े बटोर कर ले जा रहे थे। वहीं उस दीवार के पीछे बचे कपड़ों को जला दिया गया था। जिला प्रशासन और नगर निगम पुनः इस मामले में विचार करे कि ऐसे स्थान बने रहें या फिर उन्हें खत्म कर दिया जाए।

क्योंकि ऐसे स्थान उपयोगी तो रह नहीं गये अपितु गंदगी फैलाने के स्थान हो गये हैं।या फिर लोगों को प्रेरित करें कि वे अपने घर का अनुपयोगी सामान कबाड़ी को बेचने की जगह वहां रख जाएं और जरूरत मंद जिन्हें वास्तव में जरूरत है और वो उसे खरीद नहीं सकते हैं ले जाएं। क्योंकि सुना है कि दुआओं में बहुत असर होता है।

बिजली की मांग में कई गुना वृद्धि लेकिन सिस्टम वही 40 साल पुराना

जबलपुर, यशभारत। प्रदेश के प्रमुख शहरों में शामिल जबलपुर का विस्तार तेजी से हो रहा है, लेकिन विजयनगर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति आज भी चार दशक पुरानी व्यवस्था पर निर्भर है। वर्तमान में विजयनगर की आबादी एक लाख पार कर चुकी है और नए आवासीय प्रोजेक्ट्स, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा अस्पतालों के बनने से बिजली की खपत कई गुना बढ़ गई है। नए कनेक्शन तो लगातार दिए गए, लेकिन बुनियादी ढांचे और ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता में वृद्धि नहीं की गई। पुराने ट्रांसफॉर्मरों और ओवरलोडेड 33 केवी लाइनों पर अत्यधिक दबाव के कारण क्षेत्र में बार-बार ट्रिपिंग, लो-वोल्टेज और बिजली व्यवधान जैसी गंभीर समस्याएं बनी रहती हैं। विनोबा भावे और नयागांव सबस्टेशन पर निर्भरता के चलते एक भी लाइन में खराबी आने पर दर्जनों कॉलोनियों में अंधेरा छा जाता है।

भोपाल और इंदौर जैसे शहरों में नए सबस्टेशनों का विस्तार तेजी से हुआ है, जबकि जबलपुर का विजयनगर क्षेत्र नए 132 केवी सबस्टेशन के इंतजार में है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और एमपी ट्रांसको की अनदेखी का खामियाजा आम उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है।

डिजिटल दौर में भी फीकी नहीं पड़ी बाजारों की रौनक, धनतेरस पर राजधानी में 500 करोड़ का रिकॉर्ड व्यापार

भोपाल,यशभारत।

त्योहारी खरीदारी के इस दौर में जहां ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स लगातार छूट और लुभावने ऑफर दे रहे हैं, वहीं भोपाल के स्थानीय व्यापारियों ने धनतेरस पर साबित कर दिया कि असली भरोसा और रौनक शहर के अपने बाजारों में ही है। राजधानीवासियों ने ऑनलाइन क्लिक के बजाय शहर के सराफा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और बर्तन बाजारों में खुद पहुंचकर खरीदारी करने को प्राथमिकता दी। व्यापारिक प्रतिनिधियों के अनुसार, धनतेरस के दिन भोपाल के प्रमुख सेक्टरों में ?500 करोड़ से भी अधिक का कुल कारोबार दर्ज किया गया।

परंपरागत खरीदारी की चमक, सराफा में ?250 करोड़ तक का कारोबार-ग्राहकों के इस जबरदस्त रुख से स्थानीय व्यापारी



गदगद हैं। सराफा व्यापारी पदाधिकारियों के अनुसार, सोने-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों ने शगुन के सिक्के, आभूषण और कीमती धातुओं की खरीदारी दिल खोलकर की, जिससे अकेले सराफा बाजार ?200 से ?250 करोड़ का कारोबार कर गया।

ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स में दिखा जबरदस्त उत्साह-वाहन डिलीवरी के लिए शोरूम्स पर सुबह से देर रात तक मेले जैसा माहौल रहा। धनतेरस के शुभ मुहूर्त पर करीब 500 कारें और 2,000 दोपहिया वाहन बिके, जिससे ऑटोमोबाइल सेक्टर में ?120 से ?140 करोड़ का लेन-देन हुआ। वहीं, टीवी, फ्रिज और अन्य होम अप्लायंसेज के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में ?40 से ?45 करोड़ की बिक्री हुई।

बर्तन, मिठाई और सजावटी सामान की भी जमकर बिक्री

किचन के बर्तनों और क्रॉकरी दुकानों पर गृहणियों की भारी भीड़ रही। बर्तन बाजार में ?10 से ?20 करोड़ और क्रॉकरी में ?3 से ?5 करोड़ का व्यापार हुआ। इसके साथ ही, सजावटी तोरण व लाइटिंग में लगभग ?30 करोड़ और मिष्ठान कारोबार में ?10 से ?15 करोड़ की बिक्री हुई। कैट के प्रतिनिधियों का कहना है कि धनतेरस पर स्थानीय दुकानों की इस बंपर बिक्री ने यह साबित कर दिया है कि त्योहारों का असली आनंद और भरोसा शहर की भौतिक दुकानों से खरीदारी करने में ही है।



घरों में नहीं, धरना स्थल पर जलाए उम्मीद के दीप! चयनित शिक्षकों की डीपीआई के सामने मनी दिवाली

भोपाल यश भारत।

दीपावली का पर्व जहां लोग अपने परिवारों के साथ खुशियां मना रहे थे, वहीं चयनित प्राथमिक शिक्षक वर्ग-3 के अभ्यर्थियों ने डीपीआई कार्यालय के सामने धरना स्थल पर ही दीप जलाकर दिवाली मनाई। नियुक्ति की राह देख रहे इन अभ्यर्थियों ने अपने आंदोलन स्थल को ही दीपों से रोशन किया और सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने का प्रयास किया। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी सभी आवश्यक योग्यताएं पूरी कर ली हैं, इसके बावजूद अब तक नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि नियम क्रमांक 49 के प्रावधानों का पालन करते हुए उन्हें नियुक्ति दी जानी चाहिए। अभ्यर्थियों ने कहा कि नियुक्ति मिलने के बाद ही उनकी दीपावली की खुशियां पूरी होंगी। उन्होंने शासन और विभागीय अधिकारियों से जल्द नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग की।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विद्यार्थियों के हितों की रक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल : टंक राम वर्मा

छत्तीसगढ़ में कोचिंग सेंटरों के संचालन के लिए बनेगा नया कानून, विद्यार्थियों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को मिलेगी प्राथमिकता

कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 का प्रारूप तैयार, सात दिनों के भीतर आम नागरिकों और हितधारकों से मांगे गए सुझाव



रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में संचालित कोचिंग सेंटरों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने तथा विद्यार्थियों के हितों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 का प्रारूप तैयार किया गया है। प्रस्तावित कानून के माध्यम से कोचिंग संस्थानों के संचालन में अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाएगी।

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार विद्यार्थियों को सुरक्षित, सकारात्मक और तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और अभिभावकों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। प्रस्तावित छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप से कोचिंग संस्थानों की जवाबदेही बढ़ेगी तथा विद्यार्थियों को अनावश्यक शैक्षणिक दबाव, मनमानी फीस और अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में मदद मिलेगी।

विधेयक के प्रारूप में 20 अथवा अधिक विद्यार्थियों वाले कोचिंग सेंटरों का पंजीकरण अनिवार्य करने, पांच वर्ष की पंजीकरण वैधता, शुल्क संबंधी पारदर्शिता, पाठ्यक्रम छोड़ने पर शुल्क वापसी तथा छात्रावासों की सुरक्षा के प्रावधान प्रस्तावित हैं। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श व्यवस्था, उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के निराकरण और चौबीसों घंटे हेल्पलाइन की व्यवस्था भी प्रस्तावित है।

विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय प्राधिकरण तथा जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में जिला समितियों के गठन का प्रावधान है। नियमों के उल्लंघन पर दस हजार से पांच लाख रुपये तक की शास्ति तथा गंभीर मामलों में पंजीकरण निरस्त करने की व्यवस्था प्रस्तावित है।

उच्च शिक्षा विभाग ने छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाने के लिए अभिभावकों, शिक्षाविदों, युवाओं, हितधारकों और आम नागरिकों से सात दिनों के भीतर सुझाव एवं अभिमत आमंत्रित किए हैं। विधेयक का प्रारूप उच्च शिक्षा विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा। इच्छुक नागरिक अपने सुझाव che-higheredu.cg@gov.in पर भेज सकेंगे।

सरस्वती शिशु मंदिर एचटीपीपी दर्री में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, निबंध और क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

लोकतंत्र में मतदान और मतदाता सूची के महत्व पर विद्यार्थियों को किया गया जागरूक, खुशी श्रीवास और नेहा चैधरी ने हासिल किया प्रथम स्थान

कोरबा,। सरस्वती शिशु मंदिर एचटीपीपी दर्री में मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान के महत्व, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की आवश्यकता तथा निष्पक्ष और अनिवार्य मतदान के प्रति जागरूक किया गया। प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा और ज्ञान का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुषमा बारस्कर ने की। वहीं, पूरे आयोजन का कुशल निर्देशन श्रीमती माधुरी देवांगन एवं श्री आशीष शाह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं संस्था प्रमुख द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों को मतदान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और एक जागरूक नागरिक के रूप में उनकी जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी गई।

मतदान के महत्व पर आयोजित हुई निबंध प्रतियोगिता- मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत आयोजित निबंध प्रतियोगिता का विषय श्लोकतंत्र में मतदान सूची व मतदान का महत्वश् रखा गया था। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, मतदान के अधिकार का उपयोग करने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में नागरिकों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला। छात्र-छात्राओं ने विषय पर अपने प्रभावशाली विचारों को लेखन के माध्यम से प्रस्तुत किया।

ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी में निर्वाचन प्रणाली से जुड़े सवाल- कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनलाइन क्विज (प्रश्नोत्तरी) प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें भारतीय निर्वाचन प्रणाली, मतदान की प्रक्रिया और नागरिक अधिकारों से संबंधित ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को चुनावी व्यवस्था की बुनियादी जानकारी देना और मतदान के प्रति उनकी समझ विकसित करना था। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रश्नों के उत्तर दिए और अपनी जानकारी का परिचय दिया।

दीपावली पर्व को देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विशेष सघन खाद्य सुरक्षा अभियान जारी

दीपावली पर्व को देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विशेष सघन खाद्य सुरक्षा अभियान संचालित

मिठाई, मावा, पनीर एवं अन्य खाद्य पदार्थों के लिए गए नमूने, विभिन्न प्रतिष्ठानों का किया गया निरीक्षण

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों को जारी किया गया कारण बताओ नोटिस



सक्ती। जिले में आम नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने तथा आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर के आदेश एवं उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार दीपावली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए विशेष सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान मितल ट्रेडर्स सक्ती से सोनपापड़ी एवं सूजी, पिहू होटल फगुराम से मिल्क केक, होटल देवराज से मलाई पेड़ा, सकर्रा के मामा-भांजा होटल एंड स्वीट्स से क्रीम रोल (स्वीट्स), अन्नपूर्णा होटल बाराद्वार से रसगुल्ला, मधुर स्वीट्स जैजैपुर से चमचम, सूर्या होटल एंड स्वीट्स हसौद से बूंदी लड्डू और कलाकंद, ननकीदाऊ मिष्ठान भंडार हसौद से पेड़ा तथा महाराजा होटल चंद्रपुर से बूंदी का नमूना लिया गया एवं जांच हेतु राज्य प्रयोगशाला भेजा गया। परीक्षण के पश्चात खाद्य पदार्थ अमानक स्तर के पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत न्यायालयीन कार्यवाही की जाएगी।

जिला सक्ती में स्थित अन्नपूर्णा स्वीट्स चंद्रपुर, यादव होटल चंद्रपुर, बीकानेर स्वीट्स जैजैपुर, शिव शक्ति जोधपुर होटल, नटराज स्वीट्स, बनारसी होटल एवं छेदी होटल का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही रैपिड टेस्ट किट की सहायता से मौके पर ही मिठाइयों और खोया का परीक्षण किया गया। जिन फर्मों में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के नियमों और शर्तों के अधीन कार्य संचालन नहीं पाया गया, उन फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है एवं संतुष्टिजनक जवाब नहीं मिलने पर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। संयुक्त जांच दल में तहसीलदार सक्ती श्री लीलाधर चंद्रा के साथ राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार जागृति आनंद एवं श्री पद्म लोचन पटेल, अभिहित अधिकारी श्री अहसान तिग्गा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी निखिलेश साहू, शांतनु भट्टाचार्य एवं सरिता मरावी शामिल रहे।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा खाद्य कारोबारियों से नियमों का पालन करने, साफ-सफाई रखने, मिठाइयों को खुले में नहीं रखने, अखाद्य रंग का प्रयोग नहीं करने तथा बिना मिलावट के समान बनाने की अपील की गई है। साथ ही उपभोक्ताओं से सुरक्षित एवं मानक खाद्य पदार्थ खरीदने तथा सभी खाद्य पदार्थों के लेबल पढ़कर सामान खरीदने की अपील की गई है।

जशपुर में बैंकर्स प्रशिक्षण सह कार्यशाला का सफल आयोजन

जशपुरनगर। जिला पंचायत जशपुर के सभागार में बिहान योजना अंतर्गत बैंकर्स प्रशिक्षण सह कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में लगभग 140 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य बैंकर्स एवं फील्ड स्टाफको बिहान योजना से जुड़े वित्तीय पहलुओं की जानकारी प्रदान कर उनके कार्यों को अधिक प्रभावी बनाना था। कार्यशाला में बिहान योजना की अवधारणा, स्व सहायता समूह, क्रेडिट लिंकेज, इंटरप्राइज फाइनेंस, बीसी सखी मॉडल, बीमा योजनाएं, एनपीए निराकरण एवं कमेटी की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान मुद्रा ऋण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधकों मती प्रियंका खेस, रॉबिनसन केरकेट्टा, गजेश कुमार शर्मा एवं शशिकांत भगत को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यशाला में बीसी सखी की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों को स्व सहायता समूहों में वित्तीय साक्षरता बढ़ाने, समूहों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने तथा आवश्यक दस्तावेजीकरण में सहयोग करने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के माध्यम से बैंकर्स एवं फील्ड स्टाफको बिहान योजना के वित्तीय गतिविधियों की बेहतर समझ विकसित करने तथा स्व सहायता समूहों को बैंकिंग सुविधाओं एवं ऋण सहायता से जोड़ने में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

फैमिली कोर्ट के जज पर एफआईआर दर्ज करने के मामले में कार्रवाई, सरकंडा टीआई प्रदीप आर्य लाइन अटैच

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में फैमिली कोर्ट के न्यायाधीश के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के मामले में सरकंडा थाना प्रभारी प्रदीप आर्य पर कार्रवाई की गई है। उन्हें तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया गया है। उनकी जगह नरेश चौहान को सरकंडा थाने की कमान सौंपी गई है। हालांकि, एसएसपी रजनेश सिंह द्वारा जारी आदेश में इस बदलाव की वजह प्रशासनिक बताई गई है। दरअसल, करीब एक सप्ताह पहले राजकिशोर नगर में रहने वाले महासमुंद कुटुंब न्यायालय के न्यायाधीश प्रफुल्ल कुमार सोनवानी के साथ मारपीट का मामला सामने आया था। बताया गया कि जन्मदिन समारोह के दौरान देर रात ढोल-नगाड़े बजाने और पटाखे फोड़ने पर न्यायाधीश ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद प्रॉपर्टी डीलर और उसके साथियों ने कथित तौर पर न्यायाधीश और उनके परिजनों के साथ गाली-गलौज और मारपीट की थी। इस मामले में पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर और उसके साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। वहीं, दूसरे पक्ष की शिकायत पर भी मामला दर्ज किया गया था। बताया जा रहा है कि न्यायाधीश के खिलाफएफआईआर दर्ज किए जाने को लेकर न्यायिक अधिकारियों ने आपत्ति जताई थी।

जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न, मेधावी छात्र-छात्राओं ने लहराया परचम



जगदलपुर। जनजातीय गौरव सप्ताह के उपलक्ष्य में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार बस्तर जिले में जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। प्रयास आवासीय विद्यालय, जगदलपुर में आयोजित इस ज्ञान महाकुंभ में स्कूली और महाविद्यालयीन स्तर के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और उत्कृष्ट प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

दो अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता के स्कूली वर्ग (कक्षा 9 वीं से 12 वीं) में प्रयास आवासीय विद्यालय जगदलपुर की छात्राओं का दबदबा रहा। विद्यालय की होनहार छात्रा कु. उत्पला ने 94 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया, जबकि इसी संस्था की कु. निहारिका 68 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं दरभा विकासखंड स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय छिन्दवाड़ा के छात्र संदीप नाग ने 66 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान सुनिश्चित किया। वहीं दूसरी ओर महाविद्यालयीन तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं के सीनियर वर्ग में धरमपुरा स्थित पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इस वर्ग में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा रिंकी नेताम ने 297 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पाया, जबकि बीए छठे सेमेस्टर की तुलसी देवी नेताम ने 284 अंक और पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर की फुलेश्वरी बघेल ने 224 अंक हासिल कर मेरिट सूची में अपनी जगह बनाई। इस सफल आयोजन ने न केवल अंचल के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया, बल्कि जनजातीय संस्कृति, इतिहास और सामान्य ज्ञान के प्रति उनकी जागरूकता को भी नई दिशा दी। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री जीआर सोरी द्वारा प्रतियोगिता के समापन पर सभी मेधावी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

कटघोरा में तीन गोदामों पर प्रशासन का छापा, 250 बोरी अवैध धान जब्त

कोरबा। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पहले बिचैलियों के अवैध भंडारण और धान खपाने की कोशिशों पर जिला प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में कटघोरा में तीन अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर 250 बोरी मोटा धान जब्त किया गया। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर कटघोरा एसडीएम विपिन दुबे के मार्गदर्शन में उड़नदस्ता की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की।

जांच के दौरान दिलीप अग्रवाल के गोदाम से 75 बोरी, यतीश जायसवाल के गोदाम सह मकान से 50 बोरी और पवन अग्रवाल के गोदाम से 125 बोरी मोटा धान बरामद किया गया। तीनों स्थानों से जब्त धान की कुल मात्रा 250 बोरी है। कोरबा जिले में 15 नवंबर से पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होनी है। इसके पहले प्रशासन ने अवैध रूप से धान जमा करने वालों पर निगरानी बढ़ा दी है। आशंका है कि बिचैलिए किसानों के नाम पर समर्थन मूल्य का लाभ लेने के लिए पहले से धान का भंडारण कर रहे हैं। ऐसे प्रयासों को रोकने के लिए जांच अभियान चलाया जा रहा है। जब्त धान के मामले में मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। अवैध भंडारण, परिवहन और खरीदी प्रक्रिया में गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जांच दल में कटघोरा तहसीलदार सूर्य प्रकाश केसकर, मंडी सचिव नारायण पटेल, मंडी सब इंस्पेक्टर आकाश भारद्वाज और दिनेश कुमार शामिल रहे।

मरवाही में 62 हाथियों के दल से दहशत, बांध में अठखेलियां करते दिखा झुंड, खेतों में मचाई तबाही

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। मरवाही वनमंडल क्षेत्र में 62 हाथियों के विशाल दल की मौजूदगी से आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। हाथियों का यह झुंड लगातार अलग-अलग इलाकों में विचरण कर रहा है। इस बीच ड्रोन से कैद किया गया हाथियों का एरियल वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पूरा झुंड बांध के पानी में उतरकर अठखेलियां करता नजर आ रहा है। पानी में नहाने के बाद हाथियों का दल पास के खेतों में पहुंच गया, जहां हाथियों ने धान की खड़ी फसल को रौंद दिया। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार, फिलहाल हाथियों का दल मरवाही वनमंडल के धवाई टिकरा क्षेत्र में विचरण कर रहा है। बड़ी संख्या में हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग और हाथी मित्र दल अलर्ट पर हैं। वनकर्मियों की टीम लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रही है। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। लोगों को हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने, जंगल की ओर नहीं जाने और उनके साथ किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं करने की सलाह दी गई है। साथ ही हाथियों की मौजूदगी की सूचना तत्काल वन विभाग को देने कहा गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

राष्ट्र और पार्टी हित में मिली हर जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना ही मेरा कर्तव्य : अरुण सार्वा

शासन की योजनाओं को सफल बनाने जनभागीदारी जरूरी, हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुरूप विकास कार्यों में दे योगदान



धमतरी। मैं भारतीय जनता पार्टी का एक कार्यकर्ता और सिपाही हूं। पार्टी द्वारा राष्ट्रहित और संगठनहित में सेवा के लिए वर्तमान में जो दायित्व सौंपा गया है तथा भविष्य में जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, उसका पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करना ही मेरा कर्तव्य है। मेरा राजनीतिक उद्देश्य केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपने दायित्वों के माध्यम से समाज और देश के लिए बेहतर कार्य करना है। ईश्वर ने हमें अनमोल जीवन दिया है। यदि इस जीवन में हम किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए थोड़ा भी योगदान दे सकें, तो मानव जीवन की सार्थकता सिद्ध हो सकती है। उक्त विचार जिला पंचायत धमतरी के अध्यक्ष अरुण सार्वा ने गुरुवार को इंडियन कॉफी हाउस, धमतरी में आयोजित दीपावली मिलन एवं 'मसान डबरा : एक बदलाव की कहानी' मैगजीन पर आयोजित परिचर्चा कार्यक्रम में व्यक्त किए।

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों ने अरुण सार्वा से उनके सामाजिक, राजनीतिक एवं जनसेवा से जुड़े कार्यों के संबंध में अनेक सवाल किए। पत्रकारों के प्रश्नों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए जनसेवा का माध्यम है। संगठन और पार्टी द्वारा जो भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर राष्ट्र और समाज के हित में पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाना चाहिए।

परिचर्चा के दौरान पत्रकार गोपी कश्यप द्वारा संकलित मैगजीन 'मसान डबरा : एक बदलाव की कहानी' पर विशेष चर्चा हुई। इस मैगजीन में प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत सांकरा के मसान डबरा में विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय के 34 परिवारों के लिए निर्मित पक्के आवास एवं विकसित आवासीय कॉलोनी की विकास यात्रा को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है।

इस अवसर पर अरुण सार्वा ने मसान डबरा में निर्मित आवासीय कॉलोनी की परिकल्पना से लेकर उसके धरातलीय स्वरूप तक की पूरी यात्रा की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जनसेवा के उद्देश्य से इस कार्य में उन्होंने किस प्रकार व्यक्तिगत रुचि लेकर अपना समय, श्रम और संसाधन समर्पित किए। उनका कहना था कि किसी भी सरकारी योजना का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों तक सीमित न रहकर धरातल पर दिखाई दे।

अरुण सार्वा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों का दायित्व है कि वे जनहित में बेहतर योजनाएं बनाएं तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक बजट और संसाधन उपलब्ध कराएं। सरकारें इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही हैं, लेकिन योजनाओं को सफल बनाने में समाज की सक्रिय भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता और सामर्थ्य के अनुसार विकास कार्यों में योगदान दे सकता है। जिनके पास धन है, वे आर्थिक सहयोग करें, जिनके पास समय है, वे अपना समय दें, जिनके पास श्रम है, वे श्रमदान करें और जिनके पास निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं तकनीकी अनुभव है, वे अपने अनुभव और विशेषज्ञता का उपयोग करें।

उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब सरकार के साथ समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी जिम्मेदारी समझे और विकास की प्रक्रिया में सहभागी बने। यह केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

कार्यक्रम में पत्रकारों के साथ दीपावली की

दमऊकुंडा के पास प्रधानमंत्री सड़क की हालत जर्जर, आवागमन में हो रही परेशानी

कोरबा। गुरसिया से जटगा जाने वाले प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के मार्ग पर दमऊकुंडा के पास सडक की स्थिति बेहद खराब हो गई है। दमऊकुंडा स्कूल के पास सडक के नीचे की मिट्टी बह जाने के कारण मार्ग का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है और वहां विशाल गड्ढा बन गया है। स्थिति ऐसी है कि सडक का लगभग आधा हिस्सा टूटकर गायब हो चुका है। इसके चलते इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्रामीण राजेश मरावी ने बताया कि बहुत दिनों से परेशानी है और संबंधित विभाग का ध्यान आकर्षित कराया है। उन्होंने बताया कि सडक के नीचे की मिट्टी बह जाने से मार्ग का बड़ा हिस्सा टूट गया है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। गुरसिया-जटगा मार्ग क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीणों के आवागमन का महत्वपूर्ण रास्ता है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीणों का आना-जाना होता है। सडक का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। विशेषकर रात के समय अंधेरा होने के कारण सडक पर बने विशाल गड्ढे का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वाहन चालकों को डर बना रहता है कि कहीं उनकी गाड़ी अनजाने में गड्ढे में न चली जाए। इससे गंभीर हादसा होने की आशंका बनी हुई है। राजेश मरावी ने विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि तत्काल मौके का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्से के आसपास सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं और प्राथमिकता के आधार पर सडक की मरम्मत कराई जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

अनिश्चितताओं से घिरा रहा है सैमसन का करियर



मुम्बई (यशभारत)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी आज तक भी टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण निरंतरता की कमी को बताया जाता है। वहीं कई दिग्गजों कहना है कि इस अनिश्चितता के पीछे केवल उनका प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि कई अन्य कारण भी जिम्मेदार हैं। इसमें ये भी रहा कि हमेशा उनका क्रम बदला गया जिससे वह किसी भी क्रम पर अपने को स्थापित नहीं कर पाये।

उन्हें कभी पारी की शुरुआत करने भेजा गया, कभी तीसरे नंबर पर, तो कभी मध्य क्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ी। यह निरंतर बदलाव किसी भी खिलाड़ी के लिए अपनी लय खोजना मुश्किल बना देता है। इस अस्थिरता के कारण वह खुलकर नहीं खेल पाये क्योंकि उन्हें हमेशा टीम की जरूरत के अनुसार अपनी भूमिका बदलनी पड़ी है, जिससे उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ है। खेल विश्लेषकों का मानना है कि संजू एक शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं और सोशल मीडिया पर अन्य खिलाड़ियों की तरह सक्रिय नहीं रहते। इसी कारण शायद उन्हें मीडिया और पूर्व क्रिकेटरों से वह मजबूत समर्थन नहीं मिलता जो कुछ अन्य युवा खिलाड़ियों को मिलता है। हाल ही में न्यूजीलैंड दौरे पर उनके शानदार अर्धशतक के बावजूद, कुछ ही खराब मैचों के बाद उनके करियर पर फिर से सवाल उठने लगे थे। वहीं, देखा गया है कि कुछ अन्य खिलाड़ियों को शुरुआती विफलताओं के बावजूद लगातार मौके मिलते रहते हैं, और एक बड़ी पारी उनकी पिछली कमियों को आसानी से ढक देती है। यह तुलना संजू पर अतिरिक्त मानसिक दबाव डालती है। जब कोई खिलाड़ी एक अर्धशतक लगाकर मैच जिताता है, तो उसके लिए उतनी चर्चा नहीं होती, जबकि किसी अन्य खिलाड़ी के लिए कुछ पूर्व क्रिकेटर सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ करते हैं। यह स्थिति संजू को मानसिक रूप से प्रभावित कर सकती है, जिससे उनके खेल पर भी असर पड़ता है। यह बड़ा सवाल है कि संजू को ही क्यों हमेशा अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाया जाता है, जबकि अन्य खिलाड़ियों को उनके पसंदीदा स्थान पर खेलने का अवसर मिलता है। टीम प्रबंधन और क्रिकेट विशेषज्ञ अक्सर संजू के एक खराब मैच के बाद उन्हें बाहर करने की बात करते हैं, लेकिन यह नहीं बताते कि उन्हें भारतीय टीम में वह समर्थन और स्थिरता क्यों नहीं मिली जिसके वह हकदार थे। आखिर कोई खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे दे पाएगा, जब उसके दिमाग में यह चल रहा हो कि अगले मैच में उसे बाहर बैठना पड़ सकता है या उसका बल्लेबाजी क्रम बदला जा सकता है? उनकी प्रतिभा निर्विवाद है, लेकिन उन्हें एक स्थिर मंच और अटूट समर्थन की आवश्यकता है ताकि वह अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें।

शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर भावुक हुए प्रशंसक

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आंखिरकार टेस्ट रि केट से संन्यास की घोषणा कर दी। इसी के सा ही शमी का 13 साल का टेस्ट करियर समाप्त हो गया। वह हालांकि एकदिवसीय ओर टी20 प्रारुप खेलते रहेंगे। शमी के टेस्ट से संन्यास के फैसले पर प्रशंसक भावुक हो गये और उन्होंने उनके अमूल्य योगदान को याद किया। सोशल मीडिया पर उनकी इस खबर से निराशा और भावुक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। 13 सालों तक अपनी गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के दिलों में डर पैदा करने वाले शमी के इस फैसले से निराश उनके प्रशंसकों ने कहा कि आजा शायद आलोचकों को जवाब मिल गया होगा। साथ ही कहा, 'आपके योगदान को भारत और क्रिकेट प्रेमी कभी नहीं भूलेंगे।'

गौरतलब है कि 36 साल के शमी लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम में जगह नहीं बना पा रहे थे। आखिरकार उन्होंने सोशल मीडिया में एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने संन्यास की घोषणा कर दी, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वह एकदवसीय और टी-20 जैसे सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलना जारी रखेंगे। अपने संदेश में, शमी ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब उनका सिर्फ एक ही सपना था कि देश के लिए कुछ कर दिखाना। उन्होंने आगे लिखा कि इसके बाद हर विकेट, हर संघर्ष, हर चोट और हर वापसी ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। टेस्ट क्रिकेट को अपनी



जिंदगी का बेहद खास हिस्सा बताते हुए उन्होंने भारी मन और अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ अलविदा कहने की बात कही।

शमी के टेस्ट करियर का सफर आंकड़ों और शानदार स्पेल की एक अनूठी दास्तान रहा है। 6 नवंबर 2013 को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले शमी ने 13 साल के लंबे सफर में भारत के लिए 64 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 27.71 की बेहतरीन गेंदबाजी औसत से कुल 229 विकेट अपने नाम किए। अपने इस सफल टेस्ट करियर के दौरान, उन्होंने छह बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने का कारनामा किया।

शमी की सबसे बड़ी खासियत नयी और पुरानी दोनों गेंदों से सीम और स्विंग हासिल करने की अद्भुत क्षमता थी। जिसके बल पर वह भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के सबसे मजबूत स्तंभ बने और विदेशी पिचों पर भी अपनी एक अलग और खास पहचान बनाई। खासतौर पर दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और अपनी ही धरती पर शमी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जहाँ उन्होंने 35 टेस्ट मैचों में 25 से भी कम की शानदार औसत से 131 विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका की उछालभरी और तेज पिचों पर शमी का प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जोहानिसबर्ग टेस्ट की दूसरी पारी में शमी ने सिर्फ28 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

शमी ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफलंदन के द ओवल मैदान पर आयोजित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में खेला था। इसके बाद लगातार चोटों और फिटनेस समस्याओं के कारण उनका टेस्ट करियर प्रभावित रहा और वे टीम से दूर होते चले गए।

महिला एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने वालों में भारत की दीप्ति भी शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस) महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारियां खेलने वाली शीर्ष दस बल्लेबाजों में भारत की दीप्ति शर्मा भी शामिल हैं। इस सूची में न्यूजीलैंड की एमेलिया केर सबसे आगे हैं। ये खिलाड़ी अपनी इन पारियों से न केवल मैच विजेता रही हैं, बल्कि इन्होंने महिला क्रिकेट के मानकों को भी ऊंचा उठाया है। एमेलिया ने साल 2018 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 232 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। अपनी 145 गेंदों की इस पारी में इस बल्लेबाज ने 31 चौके और दो छक्के लगाए। करीब 195 मिनट तक बल्लेबाजी कर एमेलिया ने 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। एमेलिया से पहले, ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क ने साल 1997 में मुंबई में डेनमार्क के खिलाफ 155 गेंदों पर नाबाद 229 रन बनाकर महिला एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी। क्लार्क ने अपनी पारी में 22 चौके लगाए और 181 मिनट तक बल्लेबाजी की। वहीं श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने साल 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पॉचेफस्ट्रूम में नाबाद 195 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने



मात्र 139 गेंदों का सामना करते हुए 26 चौके और पांच छक्के जड़े। 140.28 के शानदार स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी इस पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को यादगार जीत दिलाई। वहीं भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति भी इस विशिष्ट सूची का हिस्सा हैं। उन्होंने साल 2017 में आयरलैंड के खिलाफ 160 गेंदों पर 188 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। उनकी इस पारी में 27 चौके और दो छक्के शामिल थे। 195 मिनट तक क्रीज पर रहकर दीप्ति ने 117.50 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह भारतीय महिला एकदिवसीय की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारियों में से एक है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने भी 17 अप्रैल 2024 को श्रीलंका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 147 गेंदों पर नाबाद 184 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 125.17 रहा।वहीं, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ने साल 2026 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 156 गेंदों पर 182 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 26 चौके और दो छक्के जड़े। 116.66 के स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी यह पारी महिला वनडे की बड़ी व्यक्तिगत पारियों की सूची में शामिल है।

हैरी केन अब साल 2029 तक बायर्न म्यूनिख में ही रहेंगे

सबसे अधिक वेतन पाने वालों में शामिल



लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन का जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख क्लब के साथ करार साल 2029 तक बढ़ गया है। इससे अब केन यूरोपीय फुटबॉल के ऐसे खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये हैं जिन्हें सबसे अधिक वेतन मिलता है। इस सूची में किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड जैसे दिग्गज शामिल हैं। नये करार के साथ ही केन को प्रति सप्ताह 4 लाख पाउंड से अधिक का वेतन मिलेगा। इस समझौते के साथ ही केन के क्लब छोड़कर कहीं और जाने की अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। गौरतलब है कि केन साल 2023 में टोटेनहम हॉटस्पर से बायर्न म्यूनिख में आये थे, जहां उनका चार साल का करार समाप्त होने जा रहा था। वहीं अब क्लब ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन और टीम के प्रति समर्पण को देखते हुए उनका करार बढ़ा दिया है। वहीं मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अब वह वेतन के मामले में किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड के दिग्गजों की सूची में शामिल हो गये हैं। गौरतलब है कि केन के लिए पिछला सत्र बेहद खास रहा, जहां उन्होंने 73 गोल दागकर प्रतिष्ठित , बैलन डीओर जीता। वह 25 साल में यह पुरस्कार हासिल करने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने। बायर्न ने उनके आने के बाद से ही बुंडेसलीगा का खिताब भी जीता और पिछले सत्र में जर्मन कप भी हासिल किया, जिससे केन के करियर में खिताबों का सूखा खत्म हुआ। उन्होंने जर्मनी की शीर्ष फुटबॉल लीग में सिर्फ98 मैचों में 100 गोल पूरे किए, जो इस उपलब्धि तक पहुंचने का सबसे तेज रिकॉर्ड है।

रंग संसार

एआई का ऐसा इस्तेमाल परेशान करने वाला: श्रेया सरन



मुंबई (ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानि एआई के गलत इस्तेमाल को लेकर अभिनेत्री श्रेया सरन ने भी चिंता जताई है। एक्ट्रेस ने कहा कि एआई तकनीक का दुरुपयोग लोगों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर सकता है। श्रेया सरन के मुताबिक, एआई के जरिए तस्वीरों में इस तरह बदलाव किए जाते हैं कि वास्तविक व्यक्ति की छवि ही बदल जाती है। कई बार कपड़ों और शरीर के आकार तक में आपत्तिजनक बदलाव कर दिए जाते हैं। एक साक्षात्कार में श्रेया सरन ने बताया कि उन्होंने अपनी तस्वीरों के साथ भी इस तरह की छेड़छाड़ देखी है। अभिनेत्री के अनुसार, कुछ तस्वीरों में शरीर के अंगों का आकार बदल दिया जाता है, जबकि कुछ में कपड़ों को हटाकर, अश्लील रूप देने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि कई बार तस्वीर इतनी बदल दी जाती है कि उन्हें खुद भी समझने में कठिनाई होती है कि उसमें दिखाई देने वाली महिला वास्तव में वही हैं या नहीं।



श्रेया ने स्वीकार किया कि ऐसी सामग्री सामने आने पर कई बार उसे नजरअंदाज करना पड़ता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य है। उन्होंने इसे परेशान करने वाला बताया और कहा कि एआई का इस्तेमाल जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए। उनके अनुसार, तकनीक के अनेक सकारात्मक पहलू हैं और इसका उपयोग लोगों की मदद करने तथा रचनात्मक कामों को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, गलत इस्तेमाल से नुकसान भी हो सकता है। यह मुद्दा अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के गाने 'चुट्टमल्ले' के एआई से बदले गए वीडियो को लेकर हुए विवाद के बाद फिर चर्चा में आया। यह गीत फिल्म 'देवराः पार्ट 1' का है, जिसमें जाह्नवी कपूर के साथ जूनियर एनटीआर दिखाई दिए थे। रिपोर्टों के अनुसार, वायरल किए गए बदले हुए वीडियो में अभिनेत्री की छवि को आपत्तिजनक तरीके से प्रस्तुत किया गया था। जाह्नवी ने 4 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर इस घटना की निंदा की थी। जूनियर एनटीआर, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और खुशबू सुंदर समेत कई कलाकारों ने भी उनका समर्थन किया था।

अभिनेता नहीं स्क्रिप्ट देख करती हूं फिल्में- सैयामी खेर

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में अपने फिल्मी सफर के 10 साल पूरे होने पर एक्ट्रेस सैयामी खेर ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ही दो बड़ी फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए थे, क्योंकि उनके लिए अभिनेता या निर्देशक से ज्यादा स्क्रिप्ट मायने रखती है। सैयामी खेर ने बताया कि मिर्जया की रिलीज से पहले ही उन्हें ये बड़ी फिल्में ऑफर हुई थीं, लेकिन उन्होंने दोनों ही प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि उस वक्त वह इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थीं, और इसके बावजूद उन्हें वो रोल्स ठुकराने में कोई मुश्किल नहीं हुई। उनका कहना था कि उन्हें फिल्म के बारे में सिर्फ इतना बताया गया था कि हीरो के साथ 2 सीन करने हैं, उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट तक ऑफर नहीं की गई थी, जिसकी वजह से उन्हें ये ऑफर रिजेक्ट करने में कोई खास मुश्किल नहीं हुई। यह फैसला उनके सिद्धांत को दर्शाता है कि वह बड़े बजट की फिल्मों में छोटे हिस्से करने के बजाय छोटी फिल्म में बड़ा और अहम किरदार करना पसंद करती हैं, जहां स्क्रीन टाइम से ज्यादा किरदार की गहराई मायने रखती है। सैयामी खेर का फिल्म इंडस्ट्री से पुराना नाता रहा है; उनकी दादी उषा किरण मराठी इंडस्ट्री की दिग्गज एक्ट्रेस थीं और वह दिग्गज एक्ट्रेस तन्वी आजमी की रिश्तेदार हैं।



हालांकि, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाना उनके लिए भी आसान नहीं रहा। सैयामी ने बताया कि करियर में आगे बढ़ने के लिए लोग उन्हें किसी अभिनेता या निर्देशक को डेट करने की सलाह देते थे, और यहां तक कि उन्हें लिप जॉब कराने की सलाह भी दी जाती थी। इन चुनौतियों के बावजूद, सैयामी अपने दृढ़ संकल्प पर अडिग रहीं और उन्होंने अपनी प्रतिभा और पसंद के साथ कोई समझौता नहीं किया। एक्ट्रेस ने मेल को-स्टार्स की असुरक्षा पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने बताया कि कुछ बड़े सितारे अपने सामने मौजूद एक्ट्रेस को रिएक्शन देने का भी पर्याप्त समय नहीं देते हैं, जिससे अभिनय पर असर पड़ता है।





रश्मिका मंदाना की मैसा में दिखेगा बाप-बेटी का अनोखा रिश्ता

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म मैसा को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। इस फिल्म में रश्मिका एक बिल्कुल नए और दमदार अवतार में नजर आएंगी, जो उनकी पिछली भूमिकाओं से काफी अलग है। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित है और सिर्फ जबरदस्त एक्शन ही नहीं, बल्कि एक पिता और बेटी के गहरे भावनात्मक रिश्ते को भी पर्दे पर पेश करेगी। फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म के पहले गाने ओ मैसा रे की घोषणा के साथ ही इसका एक आकर्षक पोस्टर भी जारी किया गया है। पोस्टर में आग की लपटों के बीच एक प्रभावशाली सिल्हूट दिखाई दे रहा है, जो गाने के जोशीले अंदाज और फिल्म के एक्शन से भरपूर माहौल की स्पष्ट झलक देता है। इस गाने को मशहूर संगीतकार जैक्स बिजॉय ने कंपोज किया है। मेकर्स को उम्मीद है कि इसका संगीत फिल्म की कहानी और उसके देसी, प्रामाणिक अंदाज को एक अलग पहचान देगा, जिससे दर्शक भावनात्मक रूप से जुड़ पाएंगे।

मैसा की कहानी भारतीय सिनेमा में एक नया आयाम जोड़ने की कोशिश करती है। जहां बाहुबली और केजीएफ जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में मां-बेटे के रिश्ते को कहानी का एक अहम हिस्सा बनाया गया है, वहीं मैसा में पिता और बेटी के बीच के असाधारण जुड़ाव को केंद्र में रखा गया है।

नुसरत की आवाज में था आरडी बर्मन के निधन का दर्द: शेखर कपूर

मुम्बई (यशभारत)। हाल ही में अपनी चर्चित फिल्म बैंडिट क्वीन से जुड़ी एक अविस्मरणीय याद फिल्ममेकर शेखर कपूर ने साझा की है। इसमें शेखर कपूर ने मशहूर पाकिस्तानी गायक नुसरत फतेह अली खान की अद्वितीय कला और उनकी गहरी संवेदनशीलता का जिक्र है। फिल्ममेकर ने बताया कि फिल्म के बैकग्राउंड स्कोर की रिकॉर्डिंग के दौरान, नुसरत फतेह अली खान की आवाज में सिर्फ सुर नहीं, बल्कि दर्द और आंसू भी थे। इस भावनात्मक उथल-पुथल की वजह उस समय संगीतकार आरडी बर्मन का निधन था, जिनसे नुसरत बहुत प्रभावित थे और उनके संगीत के बड़े प्रशंसक थे। आरडी बर्मन के आकस्मिक निधन से नुसरत फतेह अली खान बहुत दुखी थे, और यह दुख उनकी गायकी में स्पष्ट रूप से झलक रहा था। शेखर कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस पुराने और भावुक किस्से को साझा करते हुए बताया, बैंडिट क्वीन के बैकग्राउंड स्कोर की रिकॉर्डिंग चल रही थी। इसी दौरान नुसरत फतेह अली खान ने मुझसे



एक ऐसी बात कही, जो मेरे लिए अब तक की सबसे अजीब रिक्वेस्ट थी। शेखर ने बताया कि नुसरत ने उनसे कहा, 'शेखर जी, आप अपनी फिल्म देखिए और मैं आपकी आंखों में देखकर गाऊंगा।' यह अनुरोध शेखर के लिए अप्रत्याशित था। उन्होंने आगे बताया, दरअसल, जिस सीन के लिए रिकॉर्डिंग हो रही थी, वह फिल्म में बेहमई नरसंहार के बाद का हिस्सा था। इस सीन में कतार में बनी चिताएं दिखाई गई थीं और नदी किनारे महिलाओं के रोने और विलाप करने की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। यह एक बहुत ही हृदय विदारक और गंभीर दृश्य था, जिसकी संवेदनशीलता को संगीत के माध्यम से व्यक्त करना आवश्यक था। शेखर ने आगे बताया, जब रिकॉर्डिंग शुरू हुई तो मैंने देखा कि नुसरत मेरी आंखों में देख रहे थे। वह सिर्फ देख नहीं रहे थे, बल्कि मेरी आंखों में जैसे कुछ तलाश रहे थे। उस पल मुझे महसूस हुआ कि नुसरत जानते थे कि मैं भी आर. डी. बर्मन के काफी करीब था। शेखर ने याद किया कि आर. डी. बर्मन ने उनकी पहली फिल्म मासूम का संगीत तैयार किया था, जिससे उनके और आरडी बर्मन के बीच भी एक गहरा रिश्ता था।

समस्त प्रदेशवासियों को दीप पर्व-लक्ष्मी पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई....

350 बेडेड, अत्याधुनिक उपकरण, तकनीक व विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ

संजीवनी
सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल

संजीवनी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स

UNIT I RAIPUR
UNIT II RAIPUR
UNIT III RAIPUR
UNIT IV RAIPUR
BILASPUR
JAGDALPUR
AMBIKAPUR
RAIGARH

दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, छ.ग. 7389905010, 7389904010

सबसे कम कीमत पर
1.99% Making Charges
ANAND Gold
Pandri

समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं..
ओम हास्पिटल
24 घंटे एम्बुलेंस व आपतकालीन सुविधा उपलब्ध।
तिल्दा खरोरा रोड बहेसर(सिरवे)

समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
खुशी हास्पिटल
24 घंटे एम्बुलेंस की सुविधा एवं आपातकालीन सुविधा उपलब्ध
डॉ.भोजराज मोहनानी
(एम.बी.बी.एस, एम.एस)
पेट रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन
डॉ.श्रीमती मुक्ता मोहनानी
(महिला रोग विशेषज्ञ)
पता-भैरवगढ़ धाम मार्ग, नेवरा (विशेषज्ञ डॉक्टरों की सुविधा उपलब्ध)

समस्त प्रदेशवासियों को
दीप पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं...
हाईटेक पॉवर एण्ड स्टील लिमिटेड
परसदा-तिल्दा,
जिला रायपुर (छ.ग.)

समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं..
ज्योति हास्पिटल
24 घंटे एम्बुलेंस की सुविधा एवं आपातकालीन सुविधा उपलब्ध
समय : सुबह 10 से दोपहर 3 बजे
शनिवार सुबह 10 से 2 बजे तक
डॉ.ज्योति वाधवा
(प्रसूति एवं महिला रोग विशेषज्ञ)
पता-सेतपाल नगर, तिल्दा नेवरा, मो-7694907897, 07489512346

समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...
बाबा बैद्यनाथ स्टील प्रा.लि.
ग्राम - गैतरा
जिला - रायपुर (छ.ग.)

समस्त प्रदेशवासियों को दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...
गौरी गणेश स्टील प्रा.लि.
(पंकज ग्रुप)
ग्राम - माडी,
जिला-रायपुर (छ.ग.)

समस्त प्रदेशवासियों को दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...
कृष्णम इंडस्ट्रीज प्रा.लि.
ग्राम - छपोरा
विकासखण्ड- तिल्दा
जिला - रायपुर (छ.ग.)

समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...
महेन्द्रा स्पंज एण्ड पावर लिमिटेड यूनिट-II
सरोरा-तिल्दा,
जिला रायपुर (छ.ग.)

समस्त प्रदेशवासियों को दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...
ग्रेविटी आयरन एण्ड पॉवर प्रा.लि.चांपा
ग्राम चांपा, तहसील तिल्दा,
जिला रायपुर (छ.ग.)

समस्त प्रदेशवासियों को
दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...
श्री नाकोडा पाइप इम्पेक्स प्रा.लि.
ग्राम - खम्हरिया
विकासखण्ड-तिल्दा
जिला-रायपुर (छ.ग.)

स्वामी प्रकाशक मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला , मिशन मीडिया (प्रा.लि.) प्लाट नम्बर -9/1 छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स,रजबंधा मैदान, रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित एवं हॉउस नम्बर 18/303 सेक्टर 27 ,नवा रायपुर ,रायपुर छत्तीसगढ़ -492018 से प्रकाशित। संपाादक आशीष कुमाार शुक्लाा सलाहकार संपाादक श्याम कटारे
प्रबंध संपादक अजय क्षत्रे, स्थानीय संपादक अरविंद कुमाार पांडेय मो .-9827117441 RNI-CTHI/26/A5 206 ईमेल -raipuryashbharat@gmail.com (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) , सिटी ऑफिस- आर्ययन टॉवर द्वितीय तल द्रोणाचार्य स्कूल के पाास रायपुर, मो .-9111201000 (न्यायालय क्षेत्र अधिकार रायपुर)